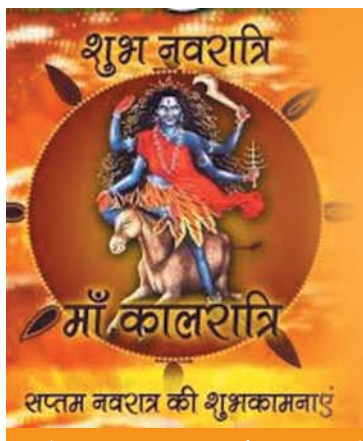

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

नवरात्रि के सातवें दिन की शुभकामनाएं

या देवी सर्वभूतेषु माँ
कालरात्रि रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमो नमः॥

वर्ष 54/ अंक 239/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर. एन. आई. 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 04 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

वक्फ बिल राज्यसभा से 12 घंटे चर्चा के बाद पास

बिल के पक्ष में 128 और विरोध में 95 वोट पड़े

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल गुरुवार देर रात को 12 घंटे से ज्यादा लंबी की चर्चा के बाद राज्यसभा से भी पास हो गया। बिल के पक्ष में 128 और विरोध में 95 वोट पड़े।

इससे पहले बुधवार को लोकसभा में यह बिल 12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। अब यह बिल राष्ट्रपति के पास जाएगा। उनकी स्वीकृति मिलने के बाद यह कानून बन जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वक्फ संशोधन बिल के पास होने को एक बड़ा सुधार बताया। उन्होंने शुक्रवार सुबह X पर लिखा कि यह कानून ट्रांसपेरेंसी बढ़ाएगा और गरीब-पसमांदा मुस्लिमों के अधिकारों की रक्षा करेगा।

इससे पहले बिल पर चर्चा के दौरान बीजू जनता दल ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी नहीं किया था। पार्टी ने कहा था- सांसद अपनी अंतरात्मा की सुनें और वक्फ बिल पर फैसला लें। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने चर्चा के दौरान कहा- वक्फ ने एक बार ताजमहल पर भी दावा कर दिया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी।

इधर, विपक्ष वक्फ संशोधन बिल को सुप्रीम कोर्ट

में चुनौती देने की तैयारी कर रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बाद अब कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने यह जानकारी देते हुए × पर लिखा- संविधान की रक्षा के लिए हर मंच पर आवाज उठाते रहेंगे।

लंबे समय से हाशिये पर रहे लोगों को सहारा मिलेगा, वक्फ बिल पास होने पर बोले पीएम मोदी

संसद से वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर पहली प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक का संसद के दोनों सदनों से पारित होना सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास के लिए हमारे सामूहिक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण क्षण है। इससे खास तौर पर उन लोगों को मदद मिलेगी, जो लंबे समय से हाशिये पर रहे हैं और उन्हें आवाज और अवसर दोनों से वंचित रखा गया है। पीएम मोदी ने %एक्स% पर पोस्ट की शृंखला में लिखा, %दशकों से वक्फ व्यवस्था पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी का पर्याय रही है।

नड्डा बोले- उम्मीद है सदन इस बिल का समर्थन करेगा

राज्यसभा में वक्फ बोर्ड बिल के पक्ष में जेपी नड्डा ने कहा कि, हमें उम्मीद है सदन इस बिल का समर्थन करेगा। 2013 में उम्मीद (यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, इफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) बिल के लिए जब जेपीसी बनी थी, तब उसमें 13 सदस्य थे। मोदी सरकार में बनी जेपीसी में 31 सदस्य थे।

खड़गे ने कहा- मेरे पास वक्फ की एक इंच जमीन नहीं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार का इरादा ठीक नहीं है। वक्फ लैंड किसको देंगे यह सामने नहीं आया। व्यापारियों को देंगे...मुझे पता नहीं। अंबानी-अडाणी जैसे लोगों को खिलाएंगे। मैं गृहमंत्री से अपील करूंगा कि आप इसे वापस ले लें। इसे प्रेस्टीज ईश्यू न बनाएं। मुसलमानों के लिए ये अच्छा नहीं है। संविधान के खिलाफ है।

रिजिजू बोले- कानून में ट्रांसपेरेंसी, अकाउंटेबिलिटी, एक्यूरेसी केंद्रित बदलाव

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि व्यापक चर्चा के बाद तैयार किए गए बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया था। जेपीसी के बाद बुधवार देर रात तक चर्चा के बाद इस बिल को लोकसभा से पारित कर दिया गया। संशोधित बिल में हमने ट्रांसपैरेंसी, अकाउंटेबिलिटी, एक्यूरेसी पर केंद्रित बदलाव किए हैं। रिजिजू बोले- वक्फ बिल के ओरिजिनल ड्राफ्ट और अब के ड्राफ्ट को देखें तो कई चेंज हमने किए हैं। यह चेंज सबके सुझाव से ही हुए हैं। जेपीसी में ज्यादातर लोगों के सुझाव स्वीकार हुए हैं। सारे सुझाव स्वीकार नहीं हो सकते।

बिम्सटेक सम्मेलन में भारत का दबदबा कायम

पीएम मोदी ने सदस्य देशों को दिया यूपीआई से जुड़ने का प्रस्ताव

बैंकॉक। बिम्सटेक देशों में भारत का दबदबा बरकरार है। थाईलैंड में हो रहे छठवें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी ने सदस्य देशों को यूपीआई से जुड़ने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में व्यापार, कारोबार और पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने बिम्सटेक चैंबर ऑफ कॉमर्स की स्थापना करने, वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन आयोजित करने और क्षेत्र में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की संभावनाएं तलाशने का भी प्रस्ताव रखा।

संबोधन की शुरुआत करते हुए पीएम मोदी ने सबसे पहले 28 मार्च को म्यांमार और थाईलैंड में आए विनाशकारी भूकंप में हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आपदा प्रबंधन के लिए भारत में बिम्सटेक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। ताकि

आपदा तैयारी, राहत और पुनर्वास पर सहयोग किया जा सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बिम्सटेक दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया को जोड़ने वाले पुल का कार्य करता है। यह क्षेत्रीय संपर्क, सहयोग और समृद्धि के नए रास्ते खोलने के लिए प्रभावी मंच के रूप में उभर रहा है। पीएम मोदी ने बिम्सटेक समूह के दायरे और क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने गृह मंत्रियों के तंत्र को संस्थागत बनाने की पहल की सराहना की।

पीएम मोदी ने मोहम्मद यूनुस से बैंकॉक में की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान बांग्लादेशी सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मुलाकात की. बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद यह उनकी पहली आमने-सामने की मुलाकात थी. उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के लिए बैंकॉक में हैं, जहां उनका स्वागत थाई प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनवात्रा ने गवर्नमेंट हाउस में किया. दोनों देशों के नेताओं ने म्यांमार और थाईलैंड में 28 मार्च को आए भूकंप के पीड़ितों के लिए एक मिनट का मौन भी रखा. एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, ÷थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित शिखर सम्मेलन में साथी बिम्सटेक नेताओं के साथ।

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बातचीत

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार के वरिष्ठ जनरल आंग ह्लाइंग से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा हुई. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पोस्ट में कहा, ÷बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान म्यांमार के वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की. एक बार फिर हाल ही में आए भूकंप के कारण हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त की. भारत इस कठिन समय में म्यांमार के अपने भाइयों और बहनों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

सांध्यप्रकाश विशेष

12 इमरजेंसी सेवाओं के लिए अब सिर्फ एक नंबर 'डायल 112' होगा!

भोपाल। मध्य प्रदेश में 12 अलग-अलग इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबरों को अब एक ही नंबर 112 से जोड़ा जाएगा। यह काम केंद्र सरकार के निर्देश पर किया जा रहा है। इसके लिए एक कॉमन डैशबोर्ड बनाया जाएगा। इसमें सभी 12 हेल्पलाइन से जुड़ी इमरजेंसी कॉल आएंगी। हालांकि कॉल उसी विभाग को भेजी जाएगी, जो मदद करेगा।

मंगलवार को इस विषय को लेकर गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मंत्रालय में बैठक हुई। बैठक में यह भी तय हुआ कि मई में भोपाल में एक बड़ा सेमिनार होगा। इसमें 112 हेल्पलाइन को अंतिम रूप दिया जाएगा। वहीं प्रदेश में चल रही चार तरह की एम्बुलेंस सेवाएं भी 112 नंबर से जोड़ी जाएंगी।

ट्रंप टैरिफ से सहमा भारतीय शेयर बाजार, 800 अंक टूटा सेंसेक्स, निफ्टी में भी गिरावट

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर टैरिफ की घोषणा के बाद यूएस स्टॉक मार्केट में हाहाकार मचा हुआ है। अमेरिकी बाजार में नैस्डैक करीब 6 फीसदी टूट गया, जबकि Dow Jones इंडेक्स में 1600 अंक या करीब 4 फीसदी की गिरावट देखी गई। S&P 500 में भी करीब 5 फीसदी की गिरावट आई। जिसका असर शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में भी देखने को मिल रहा है।

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार के दिन कारोबार के शुरुआत में Sensex में 800 अंक से भी ज्यादा टूट चुका है, जबकि Nifty में भी 215 अंको से ज्यादा की गिरावट देखी जा रही है। निफ्टी अभी 23038 लेवल पर कारोबार कर रहा है। जबकि Sensex 75766 अंक टूटकर कारोबार करते हुए नजर आ रहा है।

ट्रंप टैरिफ के बीच भारतीय रुपए की शानदार वापसी

नई दिल्ली। भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 34 पैसे की मजबूत उछाल के साथ 84.96 पर पहुंच गया। दिसंबर 2024 के बाद यह पहला मौका है जब रुपया 85 के स्तर से नीचे आया।

वैश्विक मंदी की आशंकाओं और डॉलर में आई बड़ी गिरावट के बीच रुपये ने शानदार प्रदर्शन किया। ट्रंप टैरिफ के प्रभाव से कमजोर हुए डॉलर के सामने रुपया मजबूती से खड़ा रहा, जिससे उभरते बाजारों की मुद्राओं को भी सहारा मिला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 85.07 पर खुला और तेजी पकड़ते हुए 84.96 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव 85.30 से 34 पैसे की बढ़त दर्शाता है। गुरुवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 85.30 पर बंद हुआ था। इस दौरान, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.42% गिरकर 101.64 पर आ गया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 0.84% की गिरावट के साथ 69.55 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दतिया में पीतांबरा माई के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

पीतांबरा माई के दर्शन कर पूजा-अर्चना की, नरोत्तम मिश्रा सहित क्षेत्रीय नागरिकों ने किया मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज चैत्र नवरात्रि के सातवें दिवस दतिया स्थित पीताम्बरा माई के दर्शन किया। मुख्यमंत्री के दतिया आगमन पर पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा एवं क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों तथा स्थानीय रहवासियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। धार्मिक नगरों एवं ग्राम पंचायतों में शराबबंदी लागू होने के बाद किसी धार्मिक स्थल का ये मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पहला दौरा है। उल्लेखनीय है कि लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में 24 जनवरी को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के नेतृत्व में हुई कैबिनेट में 19 धार्मिक नगरों और ग्राम पंचायतों में शराबबंदी के फैसले को मंजूरी दी गई थी। सभी 19 धार्मिक स्थलों पर एक अप्रैल से शराबबंदी लागू हो गई है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव माई के दर्शन उपरांत वे स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वक्फ संशोधन बिल-2025 के बहुमत से पारित होने पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने %वक्फ (संशोधन) बिल-2025' के लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में बहुमत से पारित होने पर देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सभी वर्गों के हितों के प्रति संवेदनशील हैं, इसी का परिणाम है कि वक्फ (संशोधन) बिल-2025 लोकसभा और राज्यसभा में बहुमत से पारित हुआ। यह बिल वक्फ संपत्तियों के कुशल प्रबंधन, पारदर्शिता और सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा। साथ ही इस बिल से गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के हितों की रक्षा होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाएं निरंतर सशक्त हो रही हैं। इस दिशा में यह विधेयक मुस्लिम महिलाओं सहित संपूर्ण समाज को और अधिक सशक्त करेगा तथा उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह बिल निश्चित ही डिजिटलीकरण को बढ़ावा देकर वक्फ संपत्तियों में होने वाली वित्तीय गड़बड़ियों और अवैध कब्जों पर लगाम लगाकर राज्यों के वक्फ बोर्ड के राजस्व में वृद्धि करेगा।

धार्मिक स्थानों की गरिमा बनाए रखने का प्रयास है, शराबबंदी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शासन ने भले ही राजस्व की हानि स्वीकार की लेकिन भावनाओं का ध्यान रखते हुए धार्मिक स्थानों की पवित्र गरिमा को बनाए रखने का प्रयास किया। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के धार्मिक शहरों में शराबबंदी का निर्णय इसी दिशा में एक कदम है। प्रदेश के 17 से अधिक शहरों में शराबबंदी की घोषणा की और उसे क्रियान्वित भी किया।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय गौरव श्रद्धेय टंट्या भील की जयंती पर किया नमन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महान स्वतंत्रता सेनानी, जनजातीय गौरव व संस्कृति के रक्षक, श्रद्धेय टंट्या मामा भील की जयंती पर नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय अस्मिता की रक्षा और माँ भारती की सेवा में सर्वस्व न्योछावर करने वाले श्रद्धेय टंट्या मामा का अतुलनीय योगदान सर्वदा स्मरणीय रहेगा।

अभिनेता मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन

मुंबई एजेंसी । गुजरे जमाने के मशहूर बॉलीवुड अभिनेता मनोज कुमार का मुंबई में निधन हो गया। 87 साल के मनोज कुमार कुछ समय से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। सभी के बीच वे भारत कुमार नाम से मशहूर थे। उनके निधन की सूचना के बाद बॉलीवुड में शोक की लहर छा गई है।

भारत का रहने वाला हूं...: मनोज कुमार की फिल्म पूरब और पश्चिम का एक गीत भारत का रहने वाला हूं आज भी सभी के बीच मशहूर है। इस फिल्म में मनोज कुमार ने भारत किरदार निभाया था।

मुख्यमंत्री ने किया शोक व्यक्त

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सुप्रसिद्ध अभिनेता मनोज कुमार के अवसान पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह फिल्म जगत, कला जगत के साथ-साथ देश की भी बड़ी क्षति है। मनोज कुमार ने पूरब पश्चिम और क्रांति जैसी फिल्मों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया। उन्होंने अपनी फिल्मों के द्वारा देश की जड़ों से जुड़ने का सार्थक प्रयास किया।

प्रदेश भाजपा को 2 हफ्ते में मिल जाएगा नया अध्यक्ष, नए नाम पर जल्द सहमति!

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा में नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर एक बार फिर से सरगर्मी तेज हो गई। चर्चा है कि इस पखवाड़े में भाजपा के नए अध्यक्ष की घोषणा हो सकती है। इसी महीने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भी हो जाएगा। इसके लिए आधे राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होना जरूरी है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नागपुर दौरे के बाद चुनावी प्रक्रिया तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक 30 मार्च को मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की मुलाकात में नए अध्यक्ष के नाम पर चर्चा हुई है।

मोदी के नागपुर से लौटने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भी बातचीत हुई है। प्रधानमंत्री ने वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह और संगठन महामंत्री बीएल संतोष से राज्यों के संगठनात्मक चुनाव पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने नड्डा और बीएल संतोष से कहा कि इसी महीने

भाजपा अध्यक्ष का चुनाव पूरा करें। भाजपा ने अब तक 13 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुन लिए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 19 राज्यों में चुनाव पूरे करने जरूरी हैं। सूत्रों के मुताबिक एक पखवाड़े में मप्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत बाकी बचे अधिकांश राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी।

नए अध्यक्ष की तलाश अंतिम चरण में- प्रदेश भाजपा में नए अध्यक्ष की तलाश अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। कई दिनों से टल रहे इस चुनाव को लेकर अब तेजी आ गई है। वीडी शर्मा को संसद की याचिका समिति में जगह मिलने से उनके दोबारा अध्यक्ष बनने की संभावना भी कम हो गई है। भाजपा के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि पार्टी ने शर्मा को यह पद देकर उन्हें अध्यक्ष पद से दूर रखने का संकेत दे दिए है। ऐसे में नरोत्तम मिश्रा की दावेदारी सबसे मजबूत मानी जा रही है। वे इस रेस में सबसे आगे चल रहे हैं।

लिस्ट में सबसे आगे नरोत्तम मिश्रा के बाद कैलाश विजयवर्गीय को माना जा रहा है। इसके अलावा फग्गन सिंह कुलस्ते, सुमेर सिंह सोलंकी, हिमाद्री सिंह, दुर्गादास उइके, हेमंत खंडेलवाल, अर्चना चिटनिस, रामेश्वर शर्मा और आलोक शर्मा जैसे कई नेताओं के नाम भी चर्चा में हैं। इस बैठक के बाद से ही पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है। कहा यह भी जा रहा कि विजयवर्गीय ने अमित शाह के सामने नरोत्तम मिश्रा के नाम का प्रस्ताव रखा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में शिवराज सिंह

जहां तक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की बात है, तो उसके लिए शिवराज सिंह चौहान (मामा) का नाम भी चर्चा में है। शिवराज सिंह चौहान 6 बार लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। 4 बार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। 13 साल की उम्र में आरएसएस से जुड़े और इमरजेंसी के दौरान जेल भी गए। ओबीसी कैटेगरी से हैं। 2005 में मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे हैं। आरएसएस की लिस्ट में शिवराज सबसे ऊपर हैं। इनके अलावा सुनील बंसल, धर्मेन्द्र प्रधान, रघुवर दास, स्मृति ईरानी, वानति श्रीनिवासन, तमिलिसाई सौंदर्यराजन, डी पुरंदेश्वरी भी दावेदार हैं।

भगवान राम के जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू, जानें तिथि, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

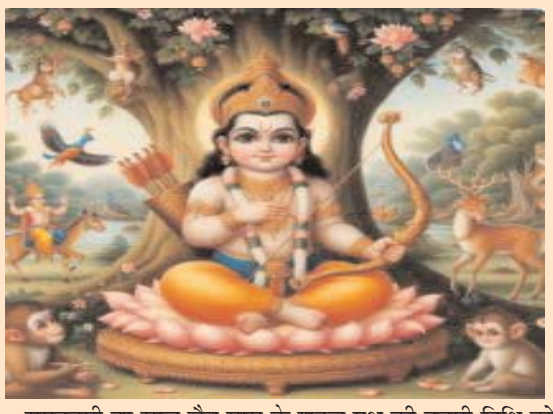

रामनवमी हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है और इस साल यह तिथि 6 अप्रैल को है। इस दिन भगवान राम की पूजा की जाती है और उनके जन्मोत्सव का आयोजन किया जाता है। भगवान राम का जन्म त्रेता युग में धरती से नकारात्मक शक्तियों को खत्म करने के लिए हुआ था। भगवान राम ने माता कौशल्या की कोख से जन्म लिया था। कौशल्या, राजा दशरथ की पत्नी थीं। उन्होंने त्रेतायुग में श्रीराम को जन्म दिया। श्रीराम, भगवान विष्णु के 7वें अवतार माने जाते हैं। राम नवमी के शुभ अवसर पर अपने-अपने घरों में भगवान राम की पूजा करने का खास महत्व होता है और इस दिन भगवान राम को पालने में झूला झुलाया जाता है और उनके प्रिय व्यंजनों का भोग लगाया जाता है। आइए जानते हैं पूजा की शुभ तिथि कब से कब तक है और साथ ही जानते हैं पूजा का शुभ मुहूर्त और पूजाविधि।

रामनवमी तिथि कब से कब तक

इस साल राम नवमी 6 अप्रैल को मनाई जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 5 अप्रैल को शाम 7 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी और यह तिथि अगले दिन, 6 अप्रैल को शाम 7 बजकर 22 मिनट पर समाप्त होगी। इसलिए, पंचांग के अनुसार 6 अप्रैल को राम नवमी मनाई जाएगी। अयोध्या के मंदिरों में भी इसी दिन राम नवमी की पूजा की जाएगी।

रामनवमी पर ग्रहों के शुभ योग

अबकी बार रामनवमी के दिन रवि पुष्य योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग पूरे दिन रहेगा। ऐसे में इस दिन आप किसी भी समय पूजा-पाठ व अन्य शुभ काम कर सकते हैं। इस दिन लोग नए व्यवसाया का उद्घाटन और गृह प्रवेश करना भी बहुत शुभ मानते हैं। इस दिन को शुभ कार्य करने के लिए बहुत अबूझ मूहूर्त माना जाता है।

रामनवमी का इतिहास

राम नवमी का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान राम का जन्म हुआ था जो कि भगवान राम विष्णु के 7वेंअवतार माने जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं में बताया गया है कि चैत्र शुक्ल नवमी के दिन अयोध्या के राजा दशरथ के घर माता कौशल्या की कोख से विष्णु अवतार राम का जन्म हुआ था, इसलिए, इस दिन को रामनवमी के रूप में पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है।

रामनवमी का महत्व

राम नवमी का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इस दिन पूजा-पाठ करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। राम नवमी के महात्म्य की बात करें तो इस दिन घर में पूजा पाठ करने और हवन करने से घर में सुख और संपन्नता बढ़ती है। मान्यता है कि इससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन की वृद्धि होती है। माता सीता को लक्ष्मी का रूप माना जाता है। कहते हैं रामनवमी के दिन भगवान राम के साथ माता सीता की पूजा करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

रामनवमी की पूजाविधि

रामनवमी के दिन सुबह उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें। भगवान राम की मूर्ति स्थापित करें। उन्हें गंगाजल, पंचामृत, फूल और फल अर्पित करें। रामचरितमानस का पाठ करें या सुनें। भगवान को पीले फलों और गेहूं के आटे से बनी पंजीरी का भोग लगाएं और आरती से पूजा खत्म करें। इसके बाद गरीबों को दान दें। पूजा के अंत में भगवान से क्षमा याचना करना न भूलें।

चुनरी यात्रा पिपलिया से पहाड़ी मंदिर साकेत नगर तक निकाली

भोपाल विशाल चुनरी यात्रा पिपलिया से साकेत नगर पहाड़ी वाली मंदिर तक निकाली इस अवसर पर बड़ी संख्या में माता बहने चुनरी यात्रा में सम्मिलित हुई सभी ने माता रानी के भजन करते हुए मंदिर तक पहुंची यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा का स्वागत किया इस अवसर पर रविन्द्र साहू (झूमर वाला)माँ नर्मदा परिक्रमा वासी इंजी. रितेश सोनी , रीना राजपूत, गोपाल राजपूत,गिरिश साहू गणेश साहू, कुणाल सुमित भूरी कला, देवेंद्र साहू, शंभू साहू, रितेश साहू राजेंद्र इंगले, कुणाल गजभिजिया, अनिल पवार विमला सोनी सुरभी सोनी नीलू साहू रीना राजपूत वार्ड 57, गोविन्दपुरा विधानसभा, वैष्णव देवी दरबार माता की कुटीया, पिपलिया

संत नगर में भव्य विशाल चुनरी यात्रा में सम्मिलित हुए विधायक रामेश्वर शर्मा

भोपाल। विधायक रामेश्वर शर्मा ने संत हिरदाराम नगर में आयोजित विशाल एंव भव्य चुनरी यात्रा में सम्मिलित होकर माई का आशीर्वाद प्राप्त किया। देवी माँ जगदम्बा सबका कल्याण करें, मंगल कामना की प्रार्थना की।

मां कालरात्रि

जीवन की अज्ञान और तमस भरी काल रात्रि में माँ की ज्ञान रुपी पावन ज्योति सत्मार्ग की ओर प्रेरित करती है। नवरात्रि का सप्तम दिवस माँ काली को समर्पित होता है। इसलिए ही इस दिन को कालरात्रि के नाम से भी जाना जाता है। अम्बे-जगदम्बे से आखिर माँ को काली क्यों बनना पड़ा ? समाज पर, राष्ट्र पर, धर्म पर, संस्कृति पर जब घोर अत्याचार होने लगा, राजसत्ता असहाय बन गई। आसुरी शक्तियाँ हावी हो गई तब माँ ने परिस्थिति अनुसार स्वयं शस्त्र धारण कर आसुरी शक्तियों का ना केवल नाश किया अपितु नारी के भीतर छिपी हुईं शक्तियों से समाज को परिचित भी कराया। अन्याय से, अत्याचार से, सामाजिक कुरीतियों से, विषमताओं से लड़ने में नारी शक्ति के जागरण की बहुत बड़ी आवश्यकता है। अभिमन्यु तभी मरता है जब कोई सुभद्रा सो जाती है। एक नए भारत के निर्माण में नारी शक्ति की बड़ी भूमिका है। भक्तों के हित साधन हेतु ममतामय रूप से काली बने माँ के स्वरूप को कोटि-कोटि प्रणाम।

स्वर्णकला बोर्ड की प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न

भोपाल। म.प्र स्वर्णकला बोर्ड के अध्यक्ष श्री दुर्गेश सोनी के नेतृत्व में प्रदेश स्तरीय बैठक सफलता संपन्न हुई साथ ही स्वर्णकला बोर्ड के ऑफिस 192 एबीएन टावर जोन-1 एमपी नगर भोपाल (म.प्र.) का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय मंत्री गौतम टेटवाल ने रिबन काट कर किया, कार्यक्रम में पधारे हुए समाज सेवियों ने अपना अपना परिचय देकर मंत्री जी के समक्ष अपनी अपनी बात रखी, बैठक का मूल उद्देश्य स्वर्णकला बोर्ड द्वारा की गई बैठकों में आए सुझावों की अनुशंसा एवं चर्चा रहा जिसमें मुख्य रूप से भोपाल में आवासीय छात्रावास का निर्माण, सोनी समाज के योग्य युवक एवं युवतियों को स्वर्ण कारीगरी सीखने के लिए सरकार से 8000 रूपये तक का स्टाइपेंड दिया जाये, प्रशिक्षण उपरांत 50,000 रुपया तक की कारीगर औजार किट उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

वन विहार में सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक कल

भोपाल। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिये छोटे जीवों की रहस्यमयी और विविधतापूर्ण दुनिया को देखने के लिये शनिवार 5 अप्रैलको सुबह 7 से 9 बजे तक सिल्कन सीक्रेट्स नामक एक विशेष वॉक का आयोजन किया जा रहा है। सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक का नेतृत्व प्रसिद्ध मैक्रो फोटोग्राफर श्री आशिर कुमार करेंगे, जिन्हें 1 फ्रेममेन के नाम से जाना जाता है। वन्य-जीवों, पक्षियों, जानवरों, कीड़ों और विशेष रूप से मकड़ियों को बारीकी से कैद करने में 5 वर्षों से अधिक की विशेषज्ञता के साथ श्री आशिर के काम को कैनन इण्डिया, इण्डिया टाइम्स, हिन्दुस्तान टाइम्स जैसे प्लेटफार्म द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

छात्राओं के लिए एसएचआईएम परिसर में आयोजित हुआ एक अभिविन्यास सत्र

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कॅरियर विकास के लिए एसएचआईएम और सीआईआई, वायआई की साझेदारी

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट फॉर वूमेन और कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडियन इंडस्ट्री, यंग इंडियंस ने मिलकर छात्राओं को बेहतर शिक्षा और करियर के अवसर देने के लिए एक समझौता किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य छात्राओं को उद्योग संवाद, कौशल विकास और नवाचार के माध्यम से सशक्त बनाना है। आयोजित इस साइनिंग सेरेमनी में श्रद्धा सुहाने वायआई-भोपाल चेयर और डॉ. आशीष ठाकुर निदेशक ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर हीरो ज्ञानचंदानी प्रबंध निदेशक, पी.एस. राठौर समूह सलाहकार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस साझेदारी के तहत छात्राओं के लिए कई तरह की गतिविधियाँ

आयोजित की जाएंगी, जिनसे उन्हें व्यावहारिक अनुभव मिलेगा और उनकी नौकरी पाने की क्षमता बढ़ेगी। हाल ही में एसएचआईएम परिसर में एक अभिविन्यास सत्र हुआ, जहाँ वायआई सदस्यों ने छात्राओं को उद्योग और शिक्षा जगत से जुड़ने के अवसरों के बारे में जानकारी दी। यह सत्र छात्राओं को वास्तविक दुनिया के अनुभव देने और उनके करियर को सही दिशा में ले जाने में मदद करेगा। संस्थान के निदेशक डॉ. आशीष ठाकुर ने कहा कि यह साझेदारी संस्थान के मिशन का हिस्सा है और इससे छात्राओं को अपने करियर में आगे बढ़ने का शानदार मौका मिलेगा। श्रद्धा सुहाने और हीरो ज्ञानचंदानी ने भी इसे छात्राओं के लिए एक बेहतरीन अवसर बताया। वायआई भोपाल की टीम ने संस्थान और नोडल ऑफिसर डॉ. हर्षा मिश्रा के प्रयासों की सराहना की। यह समझौता छात्राओं को नए कौशल सिखाने, उद्योग से जोड़ने और उन्हें एक उज्जवल भविष्य की ओर ले जाने में मदद करेगा।

फिजिक्सवाला ने जेईई एडवांस्ड और नीट छात्रों के लिए पेगासस कोर्स के साथ ऑफलाइन विस्तार किया

भोपाल। फिजिक्सवाला (पीडब्लू), एजुकेशन कंपनी, ने कक्षा 9 और 10 के छात्रों के लिए पेगासस कोर्स शुरू किया है, जो एक उच्च गति वाला प्रभावी लर्निंग प्रोग्राम है।, खासकर जेईई एडवांस्ड और नीट की तैयारी करने वालों के लिए। यह कोर्स चुनिंदा शहरों में उपलब्ध है, जिसमें भोपाल भी शामिल है। इस ऑफलाइन प्रोग्राम का मकसद शुरुआती तैयारी करवाना है, जिसमें ओलंपियाड ट्रेनिंग, रेगुलर प्रैक्टिस और टेस्टिंग का एक खास सेटअप दिया गया है। पेगासस कोर्स खास तौर पर छात्रों को प्रतियोगिता में सहायता देने के लिए तैयार किया गया है। यह सिर्फ उनके मौजूदा सिलेबस को कवर नहीं करता, बल्कि अगली कक्षा के सिलेबस का भी एक अच्छा हिस्सा शामिल करता है, ताकि उनकी अकादमिक नींव मजबूत हो सके।छोटे बैच साइज रखे गए हैं ताकि हर स्टूडेंट को पर्सनल अटेंशन मिल सके। हमारे फैकल्टी मेंबर्स संरचित लर्निंग एप्रोच के ज़रिए स्टूडेंट्स को गाइड करते हैं।इस कोर्स में हर दो हफ्ते में असेसमेंट और ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज भी शामिल हैं, जिससे स्टूडेंट्स अपनी प्रोग्रेस ट्रैक कर सकें और उनके कॉन्सेप्ट्स मजबूत हों। साथ ही, टेस्ट देने की रणनीति को और बेहतर बनाया जा सके।इसके अलावा, पेगासस कोर्स में ओलंपियाड वर्कशॉप्स भी दी जाती हैं, जो एनएसईजेएस और आईओक्यूएम जैसे एग्जाम्स की तैयारी करवाने के लिए बनाई गई हैं। इनका मकसद स्टूडेंट्स की प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स को और निखारना है।

राम नवमी के शुभ अवसर पर ज़ी टीवी के सितारों ने ताज़ा कीं इस त्यौहार की अनमोल यादें!

भोपाल। राम नवमी, आध्यात्मिक रूप से बेहद खास पर्व है, जो कि भगवान श्रीराम के जन्म का प्रतीक है। भगवान विष्णु के सातवें अवतार और धर्म, साहस एवं भक्ति के प्रतीक श्रीराम का यह पर्व चैत्र नवरात्रि के नौवें दिन पूरे देश में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन श्रद्धालु उपवास रखते हैं, मंदिरों में दर्शन करते हैं और रामायण का पाठ करते हैं। यह सिर्फ एक धार्मिक त्यौहार नहीं बल्कि उन मूल्यों का उत्सव भी है जो भगवान राम ने अपनाए - सत्य, कर्तव्य और करुणा। पिछले साल, अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद यह उत्सव भक्तों के लिए और भी खास हो गया है। इस पावन अवसर पर ज़ी टीवी के लोकप्रिय कलाकार - %वसुधा% के अभिषेक शर्मा, %कैसे मुझे तुम मिल गए% के पुलकित बंगिया, %जागृति - एक नई सुबह% की रचना मिस्त्री, %कुमकुम भाग्य% की आर्ची सचदेवा, %जाने अनजाने हम मिले% के भरत अहलावत, %जमाई नं. 1% के अभिषेक मलिक और %भाग्य लक्ष्मी% की मेघा प्रसाद, अपनी राम नवमी की खास यादें और इस साल के सेलिब्रेशन प्लान साझा कर रहे हैं। %वसुधा% में देवांश का किरदार निभा रहे अभिषेक शर्मा ने कहा, %%राम नवमी हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रही है। बचपन से मैंने अपने घर में इस दिन सुबह जल्दी उठकर पूजा करते और प्रसाद चढ़ाते देखा है। भजन गाने और भगवान राम का आशीर्वाद पाने का जो माहौल होता है, वो अद्भुत होता है। इस साल मैं वाकई अयोध्या जाकर राम मंदिर के भव्य उत्सव को देखना चाहता था, लेकिन शूटिंग शेड्यूल के कारण यह संभव नहीं हो पाया। फिर भी, मैं अपनी आस्था से जुड़ा रहने का एक तरीका ढूंढ ही लेता हूं। फिल्म सिटी में वसुधा के सेट के रास्ते में एक छोटा-सा मंदिर है, जहां मैं सुबह दर्शन करने जरूर जाता हूं। सभी को राम नवमी की शुभकामनाएं!

षट्कर्म क्रियाएं शरीर का आंतरिक शोधन करती हैं : योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि मौसम परिवर्तन के साथ लोग बीमारियों एवं महंगी दवाइयों से परेशान होने लगते है ऐसे में शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए योग करना बहुत ही जरूरी है, लेकिन महर्षि घेरांड के षट्कर्म का अपना एक अलग महत्व है।

आमतौर पर इन क्रियाओं को योगी लोग करते हैं। लेकिन इसे आम व्यक्ति भी आसानी से कर सकता हैं। षट्कर्म करने से शरीर अंदर से साफ और शुद्ध हो जाता है यानि शरीर के विषाक्त तत्व बाहर निकल जाते हैं। इसमें शरीर का छः तरीके से शुद्धिकरण किया जाता है। हमारे शरीर में तीन तरह के दोष होते है-वात, पित्त और कफ जिसका असंतुलन सामान्यत: किसी को भी हो सकता है। इस षट्कर्म का अभ्यास करने से आप इन दोषो और अन्य रोगों से मुक्ति पा सकते है। षट्कर्म क्रिया के अंतर्गत धौति, बस्ति, नेति, नौलि, त्राटक और कपाल भाति क्रिया आती हैं। इस क्रिया से शरीर के सारे अंग तो मजबूत होते हैं साथ ही कई रोगों से मुक्ति मिलती है । टॉक्सिन हटने से हड्डियां मजबूत होती है। हार्मोंस बढ़ाने में मदद करती है। इम्यूनिटी पॉवर बढ़ाने के साथ एनर्जी लेवल को भी बढ़ता है। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि इनमें से कुछ क्रियाएं बहुत कठिन होती हैं इसलिए इनका अभ्यास अनुभवी योगाचार्य के सानिध्य में करना चाहिए। आइये जानते है कैसे करें इन्हें। नेति क्रिया को चार तरीकों से किया जाता है। जो सूत्र नेति, जल नेति, क्षीर -दूध नेति, घृति नेति -तेल नेति और दुग्ध नेति होती। इन्हें करने सर्दी-जुकाम, एलर्जी, बुखार, गले नाक की अच्छी तरीके से सफाई हो जाती है। सूत्र नेति - इस क्रिया के द्वारा शरीर का शुद्धिकरण होता है। इस क्रिया के लिए पहले धागे का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन अब यह आसानी से मेडिकल स्टोर में मिल जाता है। इस क्रिया में पहले इस सूत्र नेति को पानी से साफ करके नाक से धीरे-धीरे डाला जाता है जिसे मुंह से निकाला जाता है। मिर्गी के दौरे या अधिक चक्कर आते है तो सूत्र नेति को करने से बचें। किसी भी तरह की एनर्जी, नाक के अंदर मांस या हड्डी बढ़ जाएं तो सूत्र नेति फायदेमंद है। इससे नाक और गले की आंतरिक सफाई होती है और इससे गलें में खराश व नाक का संक्रमण दूर किया जा सकता है । जल नेति - इस किया में हमें जल का प्रयोग करना होता है। इसके लिए एक तरफ से नाक में पानी डाला जाता है वह दूसरी तरह से आसानी से निकल आता है। इसके लिए नलीदार बर्तन का उपयोग करते हैं. लेकिन आपको पानी नाक से खींचना नहीं है। ऐसा करने से आपकों परेशानी का अनुभव हो सकता है। इस जल में आप चाहे तो थोड़ा सा सेंधा नमक भी डाल सकते है । जल नेति करने से माइग्रेन, सर्दी जुकाम खाँसी में लाभ मिलता है। क्षीर -दूध नेति - इस नेति को दूध से किया जाता है। ये जल नेति की तरह किया जाता है। बस जल की जगह दूध का इस्तेमाल किया जाता है। इस नेति को करने से पित्त, वात, डिप्रेशन, आंखों की ज्योति के साथ सिरदर्द में फायदेमंद है। घृति नेति -तेल नेति - इसे गाय के घी या फिर तिल के तेल से किया जाता है। इसे भी जलनेति और क्षीर नेति की तरीके से किया जाता है। धौति क्रियाएं - यह दो तरह की होती है पहली वस्त्र धौति और दूसरी जल धौति - वस्त्र धौति - धौति का मतलब धोना और साफ करना। इस क्रिया को करने से पाचन प्रणाली ठीक रहती है।

जल धौति - इस क्रिया को करने से एसिडिटी और कफ की समस्या से निजात मिलता है। इसके लिए करीब 2 लीटर गर्म पानी में नीबू और सेंधा नमक मिलाएं। मल विसर्जन करते समय जिस प्रकार बैठते हैं पानी पेट भर पी लें । पानी पीने के बाद खड़े होकर दाएं हाथ की तर्जनी तथा मध्यम उंगलियों को गले में डाल कर पेट के पानी को बाहर निकालें।

वस्ति क्रिया - वस्ति कर्म दो प्रकार का है - जल वस्ति और शुष्क वस्ति। जल वस्ति का अभ्यास जल में और शुष्क वस्ति का अभ्यास भूमि (सूखे) पर किया जाता है।

नाभि पर्यन्त जल में बैठकर उत्कट आसन लगाएँ और गुदा प्रदेश को सिकोड़ें और फैलाएँ (आकुंचन और प्रसारण), इसी को जल वस्ति कहा गया है। इस अभ्यास के लिए किसी बड़े पात्र में या नदी, तालाब में नाभि तक जल में स्थित होना चाहिए और उत्कट आसन लगाएँ एवं गुदा द्वार का आकुंचन और प्रसारण करें।

आरजीपीवी राज्यस्तरीय ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता में 7 स्वर्ण पदको के साथ भोपाल नोडल महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों में ओवरऑल चैंपियन

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तत्वाधान में लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी भोपाल द्वारा आयोजित आरजीपीवी राज्यस्तरीय ड्रॉप रोबॉल महिला पुरुष प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन एलएनसीटी केंपस रायसेन रोड भोपाल मे किया गया। जिसमे आरजीपीवी के अंतर्गत आने वाले के 6 नोडल के 70 से अधिक पुरुष एवं महिला खिलाड़ियो ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ड्रॉप रोबॉल महिला वर्ग मे 4 स्वर्ण पदको के साथ भोपाल नोडल ओवरऑल चैंपियन एवं उज्जैन नोडल 02 रजत पदक के साथ द्वितीय स्थान पर रहा। पुरुष वर्ग में 3 स्वर्ण पदको के साथ भोपाल नोडल ओवरऑल चैंपियन एंव जबलपुर नोडल 2 रजत पदक के साथ द्वितीय स्थान पर रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ अवसर पर डॉ अशोक कुमार राय डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। महिला वर्ग के सिंगल फाइनल मुकाबले में भोपाल नोडल की पूर्णिमा ने जबलपुर की तरुणी को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। महिला वर्ग डबल्स मुकाबले में भोपाल नोडल की अदिति एवं वैष्णवी की जोड़ी ने जबलपुर की इशिता एवं राशि की जोड़ी को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक अर्जित किया। महिला वर्ग ट्रिपल फाइनल मुकाबले मे भोपाल नोडल की आशी राठौर, अनुष्का ठाकुर, दीक्षा, ने जबलपुर नोडल की अनुष्ठान, अंकिता, इशिका को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक अर्जित किया। मिक्स डबल्स फाइनल मुकाबले में भोपाल नोडल की मानसी साहू, आस्था एवं अंशु, निविद की जोड़ी ने उज्जैन नोडल की यश एवं सुनीता की जोड़ी को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक अर्जित किया। पुरुष वर्ग के सिंगल फाइनल मुकाबले में भोपाल नोडल के सचिन गुप्ता ने जबलपुर के यश को 02-00 से हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।पुरुष वर्ग डबल्स फाइनल मुकाबले में भोपाल नोडल के कृष्ण गोपाल एवं विशाल ने गत वर्ष के विजेता इंदौर नोडल के कमल एवं हर्षित की जोड़ी को 02-0 से हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

पत्रकारिता के पितामह पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर नमन

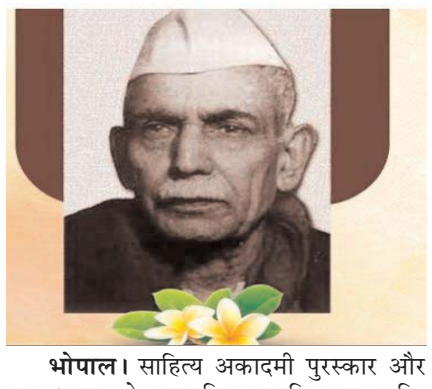

भोपाल। साहित्य अकादमी पुरस्कार और पद्म भूषण से सम्मानित ख्याति प्राप्त कवि, लेखक और पत्रकार पंडित माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला जी ने अपने ट्विटर अकाउंट के माध्यम से नमन किया। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी जी ने हिंदी साहित्य के क्षेत्र में, पत्रकारिता और लेखन के क्षेत्र में एक नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए अपने सफर की शुरुआत उस समय की जब देश में राष्ट्रीय आंदोलनों का एक दौर चल रहा था। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर पंडित जी ने लेखन , पत्रकारिता और साहित्य के माध्यम से आंदोलनों में नई ऊर्जा का संचार किया। पंडित जी ने 1913 में प्रभा नामक साहित्यिक पत्रिका से पत्रकारिता की शुरुआत की उनके कार्यालयों में कई बार छापे पड़े उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा परन्तु पंडित माखनलाल चतुर्वेदी जी ने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।1963 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया ।अपनी पत्रकारिता के माध्यम से पंडित जी ने राजनीति के अलावा साहित्य कला और संस्कृति को भी महत्त्व देकर एक मुकाम तक पहुंचाया, और भाषा को समृद्ध एवं जनप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।पंडित जी 30अप्रैल 1967 तक जीवित रहे।जीवन काल में पंडित जी का एक सपना था पत्रकारों के लिए उत्कृष्ट मूल्यों के साथ विद्यापीठ की स्थापना करना जिसको 1990 में मध्यप्रदेश सरकार ने पूरा किया और भोपाल में पंडित माखनलाल चतुर्वेदी विश्विद्यालय की स्थापना की।

11 हजार ग्रामीण कृषकों ने लिया मात्र 5 रुपए में कृषि पंप का कनेक्शन

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि ग्रामीण कृषि उपभोक?ताओं को विद्युत वितरण कंपनी मात्र 5 रुपये में स?थायी कृषि पंप कनेक?शन उपलब?ध करा रही हैं। योजना के शुरू हुई होने से अब तक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में लाभ 10 हजार 963 उपभोक?ताओं को इस योजना का लाभ मिल चुका है। ऐसे कृषक जो विद्युत की उपलब्ध लाइन के समीप स्थित हैं, उनको सुविधानुसार आसानी से स्थाई कृषि पंप कनेक्शन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बड़ा ऐलान

अगले 3 सालों में सड़क मार्ग से जोड़ी जाएगी प्रदेश की सभी बसाहटें

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार अगले तीन साल में प्रदेश की सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में यह ऐतिहासिक घोषणा की। उनके अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों की सुगम आवागमन के लिए सभी बसाहटों को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए एक ठोस समय-सीमा तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे जल्द से जल्द प्रदेश के सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे करें और एक ठोस कार्य-योजना बनाएं। इस योजना से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार होगा, बल्कि जीवन स्तर में भी बदलाव आएगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग बढ़ेगा

सीएम ने सड़क निर्माण के साथ-साथ मौजूदा सड़कों की मरम्मत और उन्नयन के लिए भी तेजी से काम करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि सड़कों के रखरखाव में ऐप, जियो-टैगिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाए, जिससे यह प्रक्रिया और भी अधिक प्रभावी हो सके।

कनेक्टिविटी के मामले में मध्यप्रदेश ने की शानदार प्रगति

मध्यप्रदेश में अब तक 89,000 बसाहटों में से 50,658 बसाहटों को सड़क मार्ग से जोड़ दिया गया है। इसके अलावा, ग्राम सड़क योजना-4 के तहत 11,544 बसाहटों के लिए सर्वे भी पूरा कर लिया गया है। शेष 26,798 बसाहटों की कनेक्टिविटी पर काम चल रहा है, और राज्य सरकार इस दिशा में लगातार सक्रिय है।

राष्ट्रीय स्तर पर ई-मार्ग पोर्टल योजना की सराहना की गई

सीएम ने बैठक में बताया कि 'जनमन योजना' के तहत पाण्डाटोला से बीजाटोला तक देश की पहली सड़क का निर्माण बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र में किया गया है। इसके अलावा, मध्यप्रदेश ने सड़क मेंटेनेंस और उन्नयन के लिए भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में भी प्रथम स्थान हासिल किया है। 2015-16 में शुरू की गई ई-मार्ग पोर्टल योजना ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सफलता के झंडे गाड़े हैं। इसे अब केंद्र सरकार ने 'नेशनल ई-मार्ग' के रूप में लागू किया है। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि वर्तमान यातायात की स्थिति का सर्वे कर सड़कों के उन्नयन और लेन विस्तार का काम प्राथमिकता से किया जाए।

इन्दौर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने अरविंद जोशी के निधन पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माधवाश्रम न्यास गौशाला के संस्थापक व पूर्व अध्यक्ष अरविंद जोशी के निधन पर उनके इन्दौर स्थित स्नेह नगर निवास पहुंचकर शोक व्यक्त किया है। अरविंद जोशी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं वर्तमान में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश भैयाजी जोशी के बड़े भाई थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोक संतप्त परिवार को ढ़ांढस बंधाया। उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए बाबा महाकाल से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा दु:ख की इस घड़ी में शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने स्व. अरविंद जोशी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मालिनी गौड़ भी उपस्थित रहे।

खंडवा जिले में हुई दुर्घटना पीड़ा दायकः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा जिले में हुई दुर्घटना में आठ व्यक्तियों की मृत्यु पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खंडवा जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव में गणगौर विसर्जन के लिए कुएं की सफाई के लिए उतरे एक व्यक्ति के दलदल में फंसने पर बचाने के प्रयास में एक के बाद एक कुएं में उतरे अन्य 7 व्यक्ति भी दलदल में फंस गए। कुएं में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण सभी 8 व्यक्तियों का असामयिक निधन हो गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस बल, जिला प्रशासन, होम गार्ड्स एवं एसडीईआरएफ की टीम ने जॉइंट रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि दु:ख की इस घड़ी में सभी शोकाकुल परिजनों के साथ मेरी गहरी शोक संवेदनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सभी मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से सभी दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके शोकाकुल परिजन को इस गहन दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री से मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य भेंट, वक्फ़ बिल पारित होने पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गुरूवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में मध्यप्रदेश वक्फ़ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने लोकसभा में वक्फ़ बिल पारित होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई और शुभकामनाएं देकर एक स्वर में कहा कि बिल से मुस्लिम समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों को उनका जायज़ हक मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि बिल के पारित होने से मुस्लिम समाज की संपत्तियों को कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी।

प्रदेश में पीपीपी मोड पर विकसित की जाएंगी नर्सरियां

मुख्यमंत्री के निर्देश ,उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशाप और मेले जिला स्तर पर लगाए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्यानिकी फसलों की जिलेवार मैपिंग की जाए। विश्वविद्यालय सहित अन्य शासकीय विभागों की खाली जमीनों पर उद्यान विकसित करने तथा प्रदेश में पीपीपी मोड पर नर्सरीयां विकसित करने के लिए कार्य योजना बनायी जाए। प्रदेश के सभी जिलों में उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशॉप और मेले आयोजित कर जिलों के किसानों और उद्यमियों को अन्य जिलों में संचालित बेस्ट प्रैक्टिसेज से परिचित कराया जाए। जिलों में कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में नवाचार करने तथा अपने स्तर पर इस क्षेत्र में उपलब्धियां अर्जित करने वाले किसानों का सम्मान किया जाए। इन्वेस्टर्स समिट के समान प्रदेश में उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण पर समिट का आयोजन हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण विभाग की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश में कृषि विशेष रूप से उद्यानिकी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश, भौगोलिक दृष्टि से सम्पन्न है, साथ ही सिंचाई और बिजली की भी पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश कि उद्यानिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकले। उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण के माध्यम से रोजगार के अवसर निर्मित करने की दिशा में भी अंन्तर्विभागीय समन्वय के साथ कार्य किया जाए। विभाग में विशेषज्ञों तथा तकनीकी दक्षता पर केंद्रित सेल स्थापित कर खाद्य प्र-संस्करण क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश के तीनों क्षेत्रों चंबल-मालवा और महाकौशल में उद्यानिकी की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्षेत्र विशेष की आवश्यकता के अनुसार कार्य योजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत और उपज का वाजिब मूल्य मिले, उन्हें यह भरोसा दिलाना आवश्यक है। किसानों की उपज के लिए उपयुक्त सुविधाजनक स्थलों पर स्टोरेज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही आस-पास की मंडियों में उपज के मूल्य की सही जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्था विकसित करें।

ओरछा को मिलेगी नई पहचान, पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेगा

भोपाल। मध्यप्रदेश का ओरछा, अब वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में नई पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर ओरछा को प्रतिष्ठित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार ने ओरछा में पर्यटन अधोसंरचनाओं और सुविधाओं के विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना 2.0 में 25 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृति की है। स्वीकृत राशि से ओरछा में टूरिस्ट एक्सपीरियंस सेंटर, हुनरशाला, एंट्री प्लाजा के साथ यात्रा पथ का विकास किया जाएगा। इसके पहले दिसंबर माह में विरासतों के संरक्षण और संग्रहालयों के विकास आदि के लिए 99.92 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए थे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2027-28 में ओरछा को यूनेस्को विश्व धरोहर के रूप में मान्यता दिए जाने के लिए केंद्र सरकार ने यूनेस्को को सिफारिश की है। साथ ही ओरछा को यूनेस्को की एच.यू.एल. (हिस्टोरिकल अर्बन लैंडस्केप) पहल के तहत चुना गया है।

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 उप-योजना के तहत चैलेंज्ड बेस्ड डेस्टिनेशन डेवलपमेंट पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में पर्यटन स्थलों का विकास करना है। इस योजना में, 50 स्थलों (प्रत्येक राज्य में अधिकतम 5) को विकास के लिए चुना जाना है। इसी के तहत ओरछा को आध्यात्मिक गंतव्य स्थल की श्रेणी में चुना गया है। ओरछा में पर्यटकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पर्यटन सुविधाओं के विकास के साथ शहर के सौंदर्यीकरण, ऐतिहासिक विरासतों के संरक्षण और स्थानीय कलाकारों और संस्कृति का संरक्षण किया जाएगा। इससे ओरछा में देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी और स्थानीय समुदाय को भी आर्थिक लाभ मिलेगा।

केन्द्र सरकार से मिली सहायता से ओरछा में तोपची की हवेली के पास पर्यटन अनुभव केंद्र का विकास किया जाएगा जिसमें ओरछा का 3-डी मॉडल, पैनल्स के माध्यम से ओरछा की ऐतिहासिक यात्रा का प्रदर्शन, बुकिंग कियोस्क, चिल्ड्रन प्ले एरिया और कैफे का निर्माण किया जाएगा। स्थानीय कारीगरों को द्वारा बनाए जाने वाले सुविनियर को उत्कृष्ट बनाने का प्रशिक्षण देकर हुनरशाला के रूप में बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। यहां पर्यटक न सिर्फ सुविनियर खरीद सकेंगे बल्कि उन्हें बनता हुआ देखने के साथ वर्कशॉप में स्वयं बना भी सकेंगे। हुनरशाला में ओपन एयर एमपीथिएटर का भी विकास किया जाएगा। पर्यटकों की सुविधा के लिए पार्किंग और दुर्ग समूह के बीच ब्रिज के दोनों ओर एंट्री प्लाजा बनेगा। इसमें ई-चार्जिंग स्टेशन और क्यूआर बेस्ड टिकटिंग की सुविधा होगी।

राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार की घोषणा

भोपाल। राज्य शासन ने राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार वर्ष 2023 की घोषणा की है। राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार में 12 विक्रम, 11 एकलव्य, 3 विश्वामित्र और एक लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार शामिल हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने ट्वीट कर पुरस्कार प्राप्त सभी को बधाई दी है। उन्होंने अपने ट्वीट के माध्यम से लेख किया है कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2023 के राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार- विक्रम पुरस्कार, एकलव्य, विश्वामित्र पुरस्कार एवं लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल हस्तियों को हार्दिक बधाई। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल से जुड़ी हस्तियों को खेलों में किये गये उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये राज्य स्तरीय विक्रम, एकलव्य, विश्वामित्र एवं लाइफ टाइम एचीवमेंट पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। पुरस्कारों की मूल भावना है कि यह पुरस्कार केवल शासन की ओर से नहीं, बल्कि समस्त जनता की ओर से प्रदेश में खेलों का विकास करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल हस्ती को सम्मान के लिये दिया जाता है। विक्रम पुरस्कार वर्ष 1972 से प्रदान किया जा रहा है। विक्रम पुरस्कार सीनियर खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है। विक्रम पुरस्कार 12 सीनियर खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है।

अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने व्यक्त किया शोक

भोपाल। भारत के सिनेमा जगत को राष्ट्रीय चेतना और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत करने वाले महान अभिनेता, निर्माता-निर्देशक श्री मनोज कुमार के निधन पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने गहन शोक व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भारत की बात सुनाने वाली आवाज़ आज खामोश हो गई। उन्होंने कहा कि मनोज कुमार का निधन भारतीय सिनेमा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने फिल्मों के माध्यम से देशभक्ति, संस्कृति और जनचेतना को नई ऊँचाइयाँ दीं। 'उपकार', 'पूरब और पश्चिम', 'क्रांति' जैसी कालजयी फिल्मों से उन्होंने हर भारतीय के हृदय में देश के प्रति गर्व और सम्मान का भाव जगाया। वे वास्तव में 'भारत कुमार' थे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मनोज कुमार जी न केवल एक महान कलाकार थे, बल्कि एक विचारक और सच्चे राष्ट्रवादी भी थे। उनका जाना सिनेमाजगत के एक युग का अंत है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों, प्रशंसकों तथा देशवासियों को यह अपार दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

आंकांक्षी जिला कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खंडवा को नीति आयोग से मिला 3 करोड़ रुपए का पुरस्कार

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में किया उल्लेखनीय सुधार

प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और ज़मीनी कार्यकर्ताओं के सामंजस्य और समर्पित प्रयास से प्राप्त हुए सकारात्मक परिणाम

भोपाल। आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के तहत खंडवा ज़िले ने स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। नीति आयोग ने जिले के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की है। नीति आयोग ने प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिये खंडवा ज़िले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की है। इस उपलब्धि के लिये ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और कुपोषण के खिलाफ व्यापक रणनीति अपनाने के प्रयास प्रमुख रहे हैं। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खंडवा की यह उपलब्धि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के तहत इस तरह की सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि खंडवा प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के सतत प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों, मैदानी कार्यकर्ताओं की सराहना की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये योजनाबद्ध प्रयास किए गए। ज़िले में प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। आउटरीच स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर दूरस्थ इलाकों में चिकित्सा सुविधा पहुंचाई गई। इसके साथ ही फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि की गई। ज़िले में मातृ स्वास्थ्य में सुधार के लिये गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, जांच और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए नवीन प्रसव केंद्र स्थापित किए गए। चिन्हित उप-स्वास्थ्य केंद्रों को प्रसव सुविधा से सुसज्जित किया गया, जिससे घर पर प्रसव के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया गया। 'लक्ष्य' एवं नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स (एनक्यूएएस) के तहत ज़िले की 25 स्वास्थ्य संस्थाओं को उन्नत किया गया, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल रही हैं। ज़िले में शिशु स्वास्थ्य में सुधार के लिए समेकित प्रयास किए गये। सम्पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने के साथ कुपोषण निदान की सघन कार्यवाही से सकारात्मक परिणाम मिलना प्रारम्भ हुए। 'मिशन इंद्रधनुष' के तहत छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पूर्ण टीकाकरण के दायरे में लाया गया। कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पूरक पोषण योजनाओं से जोड़ा गया।

आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से शिशु पोषण और देखभाल पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। जिले में 177 उप-स्वास्थ्य केंद्रों को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के रूप में क्रियाशील किया गया, जिससे ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हुईं। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत लक्ष्य से अधिक मरीजों की पहचान कर उन्हें उपचारित किया गया।

बिजली चोरी के सूचनाकर्ता को पारितोषिक की 5 फीसदी राशि तुरंत मिलेगी

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार 5 प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा। शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत देय होगी। कंपनी में कार्यरत नियमित कर्मचारी/ संविदा/ आउटसोर्स कर्मचारी को भी सूचनाकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। सूचना सही पाए जाने एवं जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश की पूर्ण वसूली होने पर एक प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाएगी। कंपनी ने कहा है कि विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के बाद बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपी के विरूद्ध निकाली गयी राशि की वसूली में सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। कंपनी ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ जांच एवं वसूली के कार्य में शामिल बाह्य स्त्रोत कर्मचारियों को भी परितोषिक योजना के तहत दी जाने वाली 2.5 (ढाई) प्रतिशत प्रोत्साहन राशि को सभी संबंधितों को समान रूप में दिया जाना निर्धारित किया गया है।

संपादकीय

छोटे जिलों में लड़ी जाए विकास की लड़ाई, तभी साकार होगा विकसित भारत का सपना

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में छोटे जिले आदर्श केंद्र बिंदु बन सकते हैं। जैसे-जैसे हमारा देश सामाजिक, आर्थिक, जनसांख्यिकीय और राजनीतिक रूप से विकसित और परिवर्तित हो रहा है, हमारे टियर-2 और टियर-3 जिले इस परिवर्तन के केंद्र में आ रहे हैं। इन्हीं 240 जिलों में भारत की अधिकांश आबादी यानी 80 करोड़ लोगों का घर है। यह आबादी न तो बहुत अमीर है और न ही बहुत गरीब। इस वर्ग को 'मिडिल ऑफ द डायमंड इंडिया' कहा जा सकता है।

बतौर उदाहरण उत्तर प्रदेश में मेरे लोकसभा क्षेत्र देवरिया में 20 लाख मतदाता और 28 लाख नागरिक हैं, जो जार्डन जैसे देश से भी बड़ी आबादी है। यह संसदीय सीट 2,500 वर्ग किलोमीटर में फैली हुई है, जो एनसीआर क्षेत्र से भी बड़ी है, लेकिन चुनावों के बाद अक्सर टियर-3 जिले हाशिये पर धकेल दिए जाते हैं। विकसित भारत का सपना तभी पूरा हो सकता है जब विकास की लड़ाई इन्हीं जिलों में लड़ी जाए।

देवरिया संसदीय क्षेत्र की जीडीपी पिछले दशक में लगभग छह प्रतिशत की दर से बढ़ी है। अब यह 17,000 करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बन चुकी है। अगर यही दर बनी रही तो वर्ष 2035 तक यह 30,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी, लेकिन विकसित देवरिया के संकल्प को प्राप्त करने के लिए इससे अधिक तेज वृद्धि दर की जरूरत है। इसके लिए पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए स्थानीय रोजगार का सृजन करना होगा, मानवीय संसाधनों को पूरी क्षमता से विकसित करना होगा।

यह महत्वाकांक्षी आर्थिक बदलाव नागरिकों, निजी क्षेत्र और सरकार के संयुक्त प्रयास से ही संभव होगा। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छ भारत और जल जीवन मिशन जैसे अभियानों को सफलतापूर्वक लागू किया है। चूंकि इन 240 जिलों में उभरता हुआ मध्यम वर्ग बसता है, इसलिए तेज और समान विकास सक्षम सरकार और लोकतांत्रिक प्रयासों के जरिये संभव है। 'सबका प्रयास' का यह दृष्टिकोण कांग्रेस सरकारों के समाजवादी माडल से अलग है।

पिछली सरकारों में जिलों के विकास के लिए पूरी तरह से सरकार पर निर्भरता थी। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार की भूमिका अहम होती है। प्रधानमंत्री मोदी के सबका प्रयास का मंत्र इन छोटे जिलों के लिए सबसे अहम है। अगर हम इनकी विकास दर को नौ प्रतिशत तक ले जाना चाहते हैं, तो हमें कृषि, कम कुशलता वाले निर्माण उद्योग, इलेक्ट्रानिक्स, शहरीकरण, लाजिस्टिक्स और डिजिटल नेटवर्क में निवेश करना होगा। ऐसा विकास नागरिकों को उपभोक्ता के रूप में नहीं, बल्कि निर्माता के रूप में भी देखता है। स्थानीय संस्कृति, प्रेरक कहानियों, आदर्श व्यक्तित्व और हमारे इतिहास की विरासत से विकास की इस मुहिम को गति मिलेगी।

पूर्वांचल 1857 की क्रांति का केंद्र था। तब मंगल पांडे ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह किया और एक साल बाद रानी लक्ष्मीबाई ने भी अंग्रेजों का सामना किया और वीरगति को प्राप्त हुईं। पूर्वांचल से उठी इस क्रांति के कारण इस क्षेत्र को अगले 90 वर्षों तक अंग्रेजों ने हाशिये पर डाल दिया और इसे आर्थिक रूप से शोषित करने के लिए विभाजनकारी नीतियां अपनाईं।

इसके परिणामस्वरूप पूर्वांचल में अविश्वास और निषेध का माहौल बना। उस समय सेना में भर्ती रोक दी गई, नागरिक और सार्वजनिक सहयोग को संदेह की दृष्टि से देखा जाने लगा। देश में ऐसे और भी अनेक क्षेत्र हैं, जो अंग्रेजों की इसी नीति के शिकार हुए। 1900 में बिरसा मुंडा के विद्रोह के बाद झारखंड, संथाल विद्रोह के बाद बंगाल और कई अन्य क्षेत्र इसी तरह पीछे छूट गए।

स्वतंत्र भारत की कड़वी विडंबना यह है कि जिन क्षेत्रों ने स्वतंत्रता संग्राम में सबसे अधिक योगदान दिया, वे आज सबसे अधिक पिछड़े हुए हैं और इनमें से अधिकतर उत्तर और पूर्व भारत में स्थित हैं। इसलिए विकसित भारत मिशन को एक 'क्रांतिकारी क्षेत्र निवेश कार्यक्रम' भी बनाना चाहिए, जो इन क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करे। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रस्तुत पूर्वोदय के सपने को साकार कर सकता है। इसी तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक हो सकता है।

अपने लोकसभा क्षेत्र में हमने इसी तरह की 10-वर्षीय विकास रणनीति तैयार की है। इस तरह हम अपनी जनता को एक नई और सकारात्मक क्रांति के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण की ओर प्रेरित करना चाहते हैं। यह 'सबके प्रयास से सबका विकास' करना है। प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान राजनीतिक दृष्टिकोण से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आगे बढ़ाता है, जो हर वर्ग, जाति या पंथ की सीमाओं को तोड़कर सभी को एकजुट करता है।

यह पूरी तरह से विपक्ष की जातिगत जनगणना की राजनीति से भिन्न है, जो समाज को बांटने के लिए एक नए हथियार के रूप में प्रयोग कर रहा है। यह नया दृष्टिकोण 'खटाखट' की राजनीति का मुकाबला करेगा, देश की आर्थिकी को मजबूत करेगा और आत्मनिर्भर नागरिकों का निर्माण करेगा।

यह दृष्टिकोण जिला स्तर पर विकसित भारत के निर्माण की संकल्पना को बल देने का आधार बनेगा। इस कार्य में तेजी लाने की जरूरत है, क्योंकि अगले 20 वर्षों में हमारी जनसंख्या की संरचना भी बदलने लगेगी और भारत की आबादी में वृद्धों की संख्या ज्यादा होने लगेगी। यही सबसे सुनहरा और अंतिम अवसर है, जब हम एक विकसित राष्ट्र के निर्माण में जुट जाएं।

4 अप्रैल 1946 क्राँतिकारी लेखक सागरमल गोपा का बलिदान

जेल में घासलेट डालकर जिन्दा जलाया था

रमेश शर्मा

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास बलिदानों से भरा है। क्राँतिकारी लेखक सागरमल गोपा को जेल में इसलिये जलाकर मार डाला गया था कि उन्होंने अपने ओजस्वी साहित्य से जन जागरण अभियान चलाया था।

सागरमल गोपा मूलतः राजस्थान की जैसलमेर रियासत के थे। उनका जन्म तीन नवम्बर 1900 को जैसलमेर में हुआ था। उनकी आरंभिक शिक्षा जैसलमेर में हुई। उन्होंने संस्कृत और हिन्दी के साथ अंग्रेजी की शिक्षा भी ली। वे बहुत कुशाग्र बुद्धि थे। स्मरण शक्ति भी असामान्य थी।

उनके पूर्वज रियासत के राजगुरु रहे हैं। पिता अखैराज गोपा भी रियासत के दरबारी थे। उन दिनों जैसलमेर में महरावल जवाहर सिंह का शासन था। पर जवाहर सिंह नाम के महरावल थे रियासत का शासन वहाँ तैनात अंग्रेज पॉलिटिकल एजेंट के इशारे पर चलता था। अंग्रेजों का प्रमुख काम जनता का शोषण करके अधिक से अधिक राजस्व बसूली था। इस वसूली के लिये रियासत के सिपाही पूरी रियासत में भीषण अत्याचार कर रहे थे।

इस वातावरण से किशोर वय सागरमल को प्रभावित किया। समय के साथ युवा हुये। जब वे केवल अठारह वर्ष के थे तब 1918 में उन्होंने जैसलमेर में एक सभा की जिसमें अंग्रेजीराज की तो आलोचना की ही। इसके साथ इस अत्याचार में सहभागी होने केलिये महरावल की भी आलोचना की और इन अत्याचारों केलिये राजा को ही दोषी माना। इसके साथ अपने मित्रों से मिलकर एक पुस्तकालय की स्थापना की जिसमें कुछ राष्ट्रवादी साहित्य और समाचारपत्र मंगाना आरंभ किये जिससे जन जागरण पैदा हो। इसके साथ जैसलमेर रायासत में वसूली के लिये हो रहे अत्याचारों पर एक पुस्तिका ÷जैसलमेर का गुण्डाराज÷ भी तैयार की और इसे वितरित करना आरंभ किया। इससे अंग्रेज पॉलिटिकल एजेंट और राजा दोनों कुपित हुये। महरावल ने गिरफ्तारी के आदेश दिया। युवा सागरमल बंदी बना लिये गये। पिता ने राजा से रिहाई की विनती की। राजा सहमत तो हुये पर जैसलमेर से निष्कासन की शर्त पर। पिता ने सहमति दे दी। पिता ने सागरमलजी को रिहा होते ही परिवार सहित नागपुर भेज दिया। यह 1920 का वर्ष था। सागरमल नागपुर आ गये पर यहाँ भी शांत न बैठे। 1921 में असहयोग आँदोलन आरंभ हुआ तो सहभागी हुये और गिरफ्तार कर लिये गये। उन्हे छै माह की सजा हुई। रिहा होकर पुनः जन जाग्रति और लेखन में ही जुट गये। उन्होने दिल्ली से प्रकाशित ÷विजय÷ एवं वर्धा से प्रकाशित ÷राजस्थान केसरी÷ में जैसलमेर सहित देशभर में राजनीतिक एवं सामाजिक सुधारों पर लेख लिखे।

सागरमल गोपाजी ने रघुनाथसिंह मेहता के साथ मिलकर जैसलमेर में माहेश्वरी नवयुवक मंडल की स्थापना की। रघुनाथ सिंह जैसलमेर में ही रहते थे जबकि सागरमल जी नागपुर में रहकर ही इस संस्था से जुड़े थे। यह संस्था गुप्त रूप से राष्ट्रीय भावनाओं के प्रचारार्थ राष्ट्रीय साहित्य वितरण एवं राष्ट्रीय भावना जागृत करने का कार्य कर रही थी।

महारावल ने इस संस्था पर प्रतिबंध लगाकर पुस्तकालय जब्त कर लिया और रघुनाथसिंह मेहता को गिरफ्तार कर लिया गया।

सागरमल गोपा ने नागपुर में रहकर ही जैसलमेर प्रजामंडल की स्थापना की संस्था प्रजामंडल काँग्रेस की ही ईकाई थी जो उन क्षेत्रों में सक्रिय थी जहाँ अंग्रेजों का सीधा शासन नहीं था। रियासती राज था पर अंग्रेजों द्वारा नियंत्रित। जैसलमेर प्रजा मंडल ने नागरिक अधिकारों और सम्मान जनक जीवन के अधिकार के लिये अनेक अभियान चलाये। और राजनीतिक सुधारों की भी मांग की।

1938 में जैसलमेर से उनके पिता के निधन का समाचार आया। वे जैसलमेर पहुँचे। पिता के अंतिम संस्कार कर वहीं रहने लगे। और स्वतंत्रता आँदोलन के लिये जन जागरण का अभियान आरंभ किया। 25 मई 1941 में बंदी बना लिये गये। उनपर निष्कासन आदेश का उल्लंघन करने और राजद्रोह का आरोप लगा। छो वर्ष की सजा दी गई। सामाजिक कार्यकर्ता और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जयनारायण व्यास जी ने इनकी रिहाई के लिये काँग्रेस के वरिष्ठ नेता पंडित जवाहरलाल नेहरू जी से भी संपर्क किया। पर सफलता नहीं मिली। जेल में सागरमल जी के दो ही कार्य थे एक लेखन कार्य और दूसरा जेल अधिकारियों के अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाना। इससे उनपर जेल अधिकारियों की भृकुटी सदैव तनी रहती। जेल के भीतर उनपर अमानुषिक अत्याचार हुये। 4 अप्रैल 1946 को थानेदार गुमान सिंह ने उन्हे बाँधकर घासलेट डाला और आग लगा दी। और सागरमल जी का बलिदान हुआ।

भारत सरकार ने 1986 में उनकी स्मृति में डाक टिकट जारी किया गया और एक नहर का नाम भी उनके नाम पर रखा गया।

सागरमल जी का पूरा जीवन सामाजिक जागरण के लिये समर्पित रहा। लेखन कार्य से भी और सभा संगोष्ठियों के माध्यम से भी। उन्होंने भारत भर के समाचारपत्रों में जैसलमेर के हालात लिखे। उनकी तीन पुस्तकों पर प्रतिबंध लगाया गया उनमें ÷जैसलमेर का गुंडाराज÷ दूसरी ÷रघुनाथ सिंह का मुकदमा÷ और तीसरी ÷आज़ादी के दीवाने÷ पहली पुस्तक में जैसलमेर के राज्य में सरकारी तंत्र के अत्याचारों का वर्णन था। दूसरी पुस्तक में न्याय व्यवस्था के प्रति सतर्क रहने और तीसरी पुस्तक में देश के स्वतंत्रता आँदोलन में सक्रिय रहने और बलिदान होने वालों का विवरण था। अंग्रेजीराज और रियासत दोनों ने उनकी रचनाओं पर प्रतिबंध लगाये जो आजादी के बाद ही हट सके।

मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहिम का आह्वान

ललित गर्ग

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिये विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कहकर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छाये धुंधलको को हटाते हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गर्माये, लेकिन हिन्दू आस्था को इससे खुशी मिली है।

संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढ़ेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरुआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, तो कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहाँ लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ो भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं।

दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबले ने इस साक्षात्कार में गौ हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने अस्पृश्यता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे 95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

होसबोले ने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल 'अखंड भारत' के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगा, जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में मूल्यों का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। निश्चित ही होसबले के बोल से जहां हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा को बल मिला है, वहीं राष्ट्रीयता भी मजबूत होती हुई दिख रही है। संघ की स्थापना भी इसी उद्देश्य एवं राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो न जाये, हिन्दू समाज पर रह-रह हो रहे हमले रूके, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास विराम पाये-इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने की दृष्टि से होसबले ने जगाया है, चेताया है, संगठित होने का आह्वान किया है। निश्चित तौर पर इन दोनों मन्दिर मुद्दों को नए सिरे से हवा देने की इस कवायद ने संघ विरोधियों एवं मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के सामने एक नई गंभीर चुनौती पेश की है। खासकर यह देखते हुए कि अयोध्या की रणनीतिक सफलता ने हिंदुत्व की राजनीति का आधार मजबूत किया है, हिन्दुओं को संगठित किया है।

लड़ाकू विमानों के बेड़े की घटती ताकत

राकेश दुबे

यह एक चिंता का विषय है कि वायुसेना के लड़ाकू विमान लगातार दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, लड़ाकू विमानों की आपूर्ति से जुड़ी दिक्कतें बढ़ रही हैं और इंजनों के लिए जनरल इलेक्ट्रिक पर निर्भरता कायम है, उसने भी भारतीय वायु सेना की ताकत और युद्ध के लिए तैयार रहने की कोशिशों को प्रभावित किया है।भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह वायुसेना में लड़ाकू विमानों के बेड़े की घटती ताकत को लेकर अपनी चिंताएं जगजाहिर कर चुके हैं।

गत दिनों चाणक्य डायलॉग्स सम्मेलन में बोलते हुए वायुसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि भारत में हर साल कम से कम 35 से 40 सैन्य विमानों का निर्माण किए जाने की जरूरत है और यह क्षमता रातोंरात नहीं बनाई जा सकती है। 'भारत 2047 ~ युद्ध में आत्मनिर्भर' नामक विषय पर उन्होंने जोर देकर कहा कि इस लक्ष्य को पूरा करना असंभव भी नहीं है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के अनुसार भारतीय वायुसेना 2047 तक अपनी सभी जरूरतों के सामान का उत्पादन भारत में ही करने की दिशा में काम कर रही है। अभी भारतीय वायुसेना के पास 600 के करीब लड़ाकू विमान हैं, जिनमें 248 सुखोई 30 एमकेआई, 45 मिराज 2000, 130 जगुआर, 40 मिग 21 बाइसन, 32 तेजस एलसीए एमके 1, 65 मिग 29 और 36 राफेल शामिल हैं। चीन से तुलना की बात की जाए तो हमारे पास उसके विमानों के करीब आधी संख्या ही है।

भारतीय वायुसेना को अभी तक 40 स्वदेशी तेजस विमान भी नहीं मिले हैं जबकि चीन ने छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान भी तैयार कर लिया है। 2008 में चीन का रक्षा बजट 78.78 अरब डॉलर का था, जो 2025 में भारत का रक्षा बजट है। यानी रक्षा बजट के मामले में हम आज भी चीन से 17 साल पीछे हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक दशक तक रक्षा बजट को तुरंत जीडीपी के 4 प्रतिशत के बराबर किए जाने की जरूरत है। इतना ही नहीं, भारतीय वायुसेना के पास हर हाल में देश की सुरक्षा के लिए 42 स्क्वाड्रन का होना जरूरी है। लेकिन इस वक्त भारत के पास करीब 32 स्क्वाड्रन हैं और यदि स्क्वाड्रनों की संख्या नहीं बढ़ाई गई तो साल 2035 तक भारत के पास सिर्फ 25 से 27 स्क्वाड्रन ही बचेंगे। इसलिए समझा जा सकता है कि आने वाले वर्षों में हालात किस कदर भयावह हो सकते हैं। एक स्क्वाड्रन में करीब 18 लड़ाकू विमान होते हैं। इस साल के अंत तक आखिरी मिग-21 को भी सर्विस से बाहर कर दिया जाएगा। एचएएल को भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमआई1ए लड़ाकू विमान बनाने हैं और सभी 83 तेजस एमआई1ए की डिलीवरी साल 2029 तक देनी है, लेकिन इसमें भी देरी हो रही है।

भारतीय वायु सेना की आधिकारिक स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को हुई थी। भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य 'नभ~स्पृशं दीप्तम्' है।

भारतीय वायुसेना आसमान में भारत की ताकत को और बढ़ाना चाहती है और इसके लिए भारतीय वायुसेना को 114 नए लड़ाकू विमान चाहिए। मल्टी रोल फाइटर जेट प्रोग्राम के तहत ये विमान खरीदे जाने हैं। वायुसेना चाहती है कि 5 साल के भीतर पहला लड़ाकू विमान भारत में आ जाए।खरीद प्रक्रिया में 7 विमान दौड़ में शामिल हैं। ज्यादातर विमानों का पहले ही परीक्षण हो चुका है, इसलिए उम्मीद है कि लड़ाकू विमानों की खरीद प्रक्रिया तेज होगी। यह प्रसन्नता की बात है कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सैन्य ताकत बन चुका है। ग्लोबल फायरपावर की तरफ से वर्ष 2025 की सैन्य ताकतों की रैंकिंग में पहले स्थान पर अमरीका है। दूसरे स्थान पर रूस का नंबर आता है, जबकि चीन तीसरे स्थान पर है। पांचवें स्थान पर दक्षिण कोरिया है। अपनी सैन्य व एटमी ताकत का धौंस देने वाला पाकिस्तान इस बार तीन अंक खिसक कर 12वें स्थान पर पहुंच चुका है। इसमें सेनाओं की संख्या, हथियारों की ताकत, लॉजिस्टिक्स लाने-ले जाने की क्षमता, भौगोलिक स्थिति शामिल हैं।

आज तक लड़ी गई सभी मुख्य लड़ाइयों में भले ही वायुसेना के पास उन्नत श्रेणी के युद्धक विमान न रहे हों, लेकिन उनको संचालित करने वाले भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलट अपने हौसलों से हर बार नया इतिहास रचते रहे हैं। भारत सरकार को कुछ अन्य सुरक्षा उपायों पर भी ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, जिसमें हमारी हवाई रक्षा कवच (एयर डिफेंस) के साथ-साथ हमें ड्रोन और मिसाइल के एक एकीकृत बल के निर्माण को मजबूत बनाना होगा।

लाईम लाईट और राजनीतिक प्रभाव की चाहत, बड़ी आफत

सरयूसुत मिश्रा

भारत के संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सभी प्रकार की स्वतंत्रता से ऊपर माना गया है. स्वतंत्रता, स्वच्छंदता नहीं हो सकती इसीलिए संविधान में उचित प्रतिबंध भी लगाए गए हैं. संविधान लागू होने के बाद पहले संशोधन में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में उचित प्रतिबंध के प्रावधान किए गए थे..!!

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर विवाद हमेशा होते रहे हैं. सामान्य लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में ना कोई बाधा है और ना ही इस पर कोई विवाद. सियासत की परतंत्रता से जुड़े लोग कॉमेडी या कविता का जब राजनीतिक उपयोग करते हैं तभी विवाद खड़े होते हैं. कला, संस्कृति, फिल्म, कॉमेडी और राजनीति के लोग जब दोहरी भूमिका निभाते हैं और इसमें ईमानदारी नहीं बरतते हैं, तभी ऐसे विवाद शुरू होते हैं.

सुप्रीम कोर्ट द्वारा कांग्रेस के सांसद इमरान प्रतापगढ़ी पर गुजरात में दर्ज एफआईआर को रद्द करते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर जो राय दी गई है उस पर किसी को भी एतराज नहीं हो सकता. आम नागरिक तो इस अधिकार को ईश्वरीय अधिकार मानता है. उस पर कोई बाधा भी नहीं आती. जब किसी अधिकार का उपयोग लाइमलाइट में आने के लिए या अपना राजनीतिक प्रभाव बढ़ाने के लिए किया जाता है तब स्वतंत्रता के साथ बेईमानी शुरू हो जाती है. जो भी अपनी स्वतंत्रता के साथ ईमानदार नहीं होता, स्वतंत्रता के साथ बेईमानी की आदत पद, प्रतिष्ठा, धन पाने के लिए बढ़ने लगती है, तो फिर संविधान द्वारा प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के दुरुपयोग के लिए वह स्वयं दोषी हो जाएगा.

अब तक जितने भी मामले अदालतों में ऐसे अपराधों के लिए पहुंचे हैं उनका इतिहास खंगाला जाएगा तो या तो कॉमेडी या कविता से जुड़े होंगे, सियासत से जुड़े होंगे, धर्म से जुड़े होंगे. ऐसा एक भी मामला नहीं मिलेगा जहां एक आम नागरिक को संविधान के इस अधिकार से वंचित किया गया हो.

भारत तो सभी प्रकार की स्वतंत्रता को संरक्षण देने वाला देश है. उसकी इसी सोच और शैली ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र न केवल स्थापित किया है, बल्कि इसको स्थायित्व दिया है. भारत में सत्ता का हस्तांतरण जिस लोकतांत्रिक ढंग से होता है, वह भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बुनियादी अधिकार पर ही आधारित है. छुटपुट घटनाओं या अदालती मामलों से भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की जड़ों को कमजोर नहीं किया जा सकता.

इसके बाद भी बोलने की आजादी के पैरोकारों को उचित प्रतिबंधों और अपने कर्तव्यों पर भी सजग होना ही पड़ेगा.

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अतिवाद की अराजकता को तो अनुमति नहीं दी जा सकती. केवल बोलने की आज़ादी नहीं बल्कि धार्मिक, राजनीतिक, जीने और संपत्ति की स्वतंत्रता का भी अधिकार लोगों को मिला हुआ है. आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी देश विरोधी गतिविधियों में शामिल भी अभिव्यक्ति की आजादी और मानव अधिकार का सहारा लेते हैं.

केंद्र में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकारों पर ज्यादा सवाल खड़े किये जाने लगे हैं. राजनीतिक दलों की विचारधारा की लड़ाई को संवैधानिक अधिकारों के साथ जोड़कर उन्हें बदनाम करने का प्रयास संवैधानिक संरक्षण को मजबूती नहीं बल्कि कमजोर करते हैं.

लोकतंत्र मुख्य रूप से बातचीत एवं बहस पर आधारित है. स्वतंत्र विचार, चर्चा और बहस बहुत जरूरी है. देश का आधुनिकीकरण विचार विमर्श का ही सुफल है.

सोशल मीडिया आज जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मजबूत आधार बना हुआ है. वहीं आतंकी समूह भी इसका प्रयोग अपनी गतिविधियों के लिए करते हैं. यह ऐसी समस्याएं हैं जो ना सिर्फ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए चुनौती हैं, बल्कि सरकारों के लिए इनसे निपटना बहुत कठिन हो गया है. वर्तमान समय में फेसबुक, व्हाट्सएप सहित सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को व्यापकता प्रदान कर रहे हैं, वहीं इनका दुरुपयोग भी खुले आम हो रहा है.

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भारत में रची बसी है. पत्रकारिता तो इस पर ही खड़ी हुई है. आपातकाल जैसी बाधाएं अनेक बार आती रही हैं, लेकिन देश ने ऐसी सभी बाधाओं को न केवल हमेशा पार किया है, बल्कि मौलिक अधिकारों की स्वतंत्रता को नया आधार दिया है.

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सवाल और चुनौतियां सियासी बेईमानी के कारण ही खड़ी हो रही हैं. वोट बैंक की राजनीति चाहे अल्पसंख्यकवाद या बहुसंख्यकवाद की हो संविधान को धक्का पहुंचा रही हैं.

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ वैसे ही हो रहा है जैसे झूठ ही झूठ के साथ, झूठ बोल रहा है और वही दूसरे को झूठा साबित कर रहा है. इस अधिकार के साथ बेईमानी सियासत से ही चालू हुई है. कॉमेडी, कविता, फिल्म या दूसरे माध्यमों से जब भी ऐसी समस्या आती है तब उसकी जड़ें भी सियासत से ही जुड़ी होती है. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किसी दूसरे की स्वतंत्रता बाधित नहीं कर सकती.

सियासी झूठे वादे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का ही खुला दुरुपयोग है. इसी तरीके से कभी साहित्यकार, कलाकार, पॉलिटिशियन अगर अपनी कला का उपयोग लाइमलाइट में आने के लिए या राजनीतिक प्रभाव को बढ़ाने के लिए करने लगता है तो यह न केवल उनकी कला का अपमान है बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी दुरुपयोग है.

विचारधारा के संघर्ष में जब राजनेता देश में किसी भी कानून या विधान के खिलाफ झूठी बातें करते हैं तो क्या इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित नहीं होती है. इस स्वतंत्रता में केवल बोलने का ही नहीं, सुनने और जानने का पक्ष भी शामिल है. किसी भी नागरिक का यह अधिकार है कि उसे वही सुनाया जाए, वही बताया जाए जो सच्चाई पर आधारित हो. सरकारों में बदलाव के साथ राजनीतिक विचारधारा भी बदलती है. सहमति, असहमति के बीच ही लोकतंत्र चलता है, लेकिन वोट बैंक के लिए भ्रमपूर्ण जानकारी देना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ है.

अब तो ऐसा लगने लगा है कि सियासत देश की समस्याओं के समाधान की बजाए संकट का रूप लेने लगी है. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला घुमा-फिरा कर सियासत ही कर रही है. इस मौलिक अधिकार में यह प्रगतिशील प्रावधान भी जोड़ा जाना चाहिए कि प्रत्येक नागरिक को सच जानने का अधिकार है. अगर कोई उसे भ्रमपूर्ण या गलत तथ्य प्रचारित कर अपना सियासी लक्ष्य पूरा कर रहा है तो उसे दंडित किया जा सकता है.

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो भारत में समाई हुई है, अगर इसके साथ सच की ताकत जुड़ जाएगी तो फिर भारत के वैभव का मुकाबला करना किसी के लिए भी मुमकिन नहीं होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail—com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakashÐin

सांसद लोधी ने लोकसभा सदन में लोक महत्व के मुद्दे पर चर्चा के दौरान नर्मदा-सुनार लिंक परियोजना के संबंध में ध्यानाकर्षण कराया

दमोह। सांसद राहुल सिंह लोधी ने लोकसभा सदन में लोक महत्व के मुद्दे पर चर्चा के दौरान नर्मदा-सुनार लिंक परियोजना के संबंध में ध्यानाकर्षण कराया जिसमें नर्मदा जी नरसिंहपुर के पतई घाट से मेरे संसदीय क्षेत्र की देवरी विधानसभा अंतर्गत केसली तड़ा के पास बरांझ नदी की दूरी 20 किलोमीटर है और तकरीबन उतनी ही दूरी बरांझ नदी से सुनार नदी की है। माँ नर्मदा जी का जल बरांझ नदी से होते हुए सुनार में लिंक कर दिया जाए तो इससे सम्पूर्ण लोकसभा क्षेत्र में पानी की आपूर्ति पूर्ण हो जाएगी। जब यह पानी सुनार नदी के माध्यम से आएगा तो देवरी, रहली, गढ़ाकोटा, पथरिया ब्लॉक के ग्राम-इमलिया से नरसिंहगढ़ होते हुए हटा विधानसभा अंतर्गत खमरगौर में व्यारमा नदी की ओर पहुँच जायेगा। इस परियोजना के क्रियान्वयन होने से सम्पूर्ण लोकसभा क्षेत्र में पानी की आपूर्ति पूर्ण होगी। जिससे किसानों को खेती और पीने के जल का लाभ होगा। यह परियोजना जल संरक्षण एवं सिचाई व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी।

मत्स्य पालन समिति को जलाशय पट्टे पर देने हेतु अधिसूचना जारी

सांध्य प्रकाश ।बैतूल। जिला पंचायत ने घोघरी जलाशय के मत्स्य पालन पट्टे के आवंटन के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। शासन की नीति के तहत 10 वर्षीय मत्स्य पालन एवं विकास हेतु यह पट्टा सहकारी समितियों और स्व सहायता समूहों को दिया जाएगा। इच्छुक पंजीकृत समितियों को 2 मई 2025 तक आवेदन जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिसूचना के अनुसार बैतूल जिले के घोघरी जलाशय, जिसकी जलक्षेत्र सीमा 170 हेक्टेयर है। प्राथमिकता के आधार पर मत्स्य पालन समिति या स्व सहायता समूह को पट्टे पर दिया जाएगा। इसके लिए केवल वे ही समितियां पात्र होंगी जो पंजीकृत है। और आवश्यक दस्तावेज समय पर जमा करेंगी। आवेदन प्रक्रिया के तहत समितियों को अपनी प्रस्तावना समिति सदस्यों की सूची पिछले तीन वर्षों की वार्षिक रिपोर्ट, पंजीयन प्रमाण पत्र मत्स्य पालन संचालन योजना आदि दस्तावेज जमा करने होंगे। वही स्व सहायता समूहों को समूह गठन प्रस्ताव, सदस्यों की सूची गरीबी रेखा सत्यापन हेतु राशन कार्ड की प्रति निवास प्रमाण पत्र और जलाशय संचालन का अनुभव प्रमाण पत्र जमा करना होगा। इस प्रक्रिया के तहत चयनित समिति को जलाशय की निर्धारित पट्टा राशि समय पर जमा करनी होगी। और नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। आवेदन प्रक्रिया से संबंधित अधिक जानकारी सहायक संचालक मत्स्योद्योग कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बैतूल ने स्पष्ट किया है। कि आवेदन में कोई त्रुटि होने पर उसे अस्वीकृत किया जा सकता है। अंतिम निर्णय जिला पंचायत बैतूल के पास सुरक्षित रहेगा।

जल को बचाने की जानकारी हेतु विकासखंड की महिला समूहों की बैठक संपन्न

औबेदुल्लागंज (संवाददाता) -3 अप्रैल को प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकाशखण्ड ओबेदुल्लागंज के आजीविका भवन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रायसेन के निर्देशानुसार जल सम्बर्धन अभियान अंतर्गत बैठक की गई बैठक में जल के महत्व को बताया गया जल के बचाब हेतु क्या क्या कार्य करने चाहिए बैठक में जानकारी दी गई नदियां बचाओ के बारे में बताया गया इसके साथ इंटरगिरेटेट फार्मिंग कलस्टर के पदाधिकारियों की बैठक रखी गई जिसमें ग्रामो में इंटरगिरेटेट फार्मिंग कलस्टरो को विकसित करने पर जोर दिया गया बैठक में विकासखंड क्षेत्र के ग्रामो में गठित समूहों की महिलाये आजीविका मिशन के विकासखण्ड प्रवंधक जितेंद्र चतुर्वेदी सहायक विकासखण्ड प्रवंधक निधि चौहान सहायक विकासखण्ड प्रवंधक संजय नामदेव सहायक विकासखण्ड प्रवंधक जया व्यास एवं आजीविका मिशन विकासखण्ड ओबेदुल्लागंज की समस्त कर्मचारी भी उपस्थित रहे ।

सिद्दीकगंज मंडल के सभी 40 बूथों पर मनेगा भाजपा का स्थापना दिवस एवं अंबेडकर जयंती-धनरुपमल जैन

आष्टा । आष्टा विधानसभा क्षेत्र के सिद्दीकगंज मंडल के सभी 40 बूथों

पर 6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस एवं 14 अप्रैल को भारत रत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती मनाने,वन नेशन वन इलेक्शन का समर्थन करने एवं लोकसभा में वक्फ बिल भारी बहुमत से पास होने को लेकर आज जिला भाजपा के निर्देश पर सिद्दीकगंज मंडल की बैठक सम्पन्न हुई । बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता बैठक के प्रभारी श्री धनरुपमल जैन उपस्तिथ हुए । कामकाजी बैठक को संबोधित करते हुए श्री धनरुपमल जैन ने संगठन की ओर से आगामी दिनों में होने वाले कार्यक्रमो की जानकारी देते हुए बताया की आगामी 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस से 14 अप्रैल भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती तक कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस को मंडल के सभी 40 बूथो पर मनाना है, सभी कार्यकर्ताओं को अपने घरों पर भाजपा का झण्डा फहराना है,6 एवं 7 अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर प्राथमिक सदस्यों को एकत्रित कर उनका सम्मेलन करना है। इसी तरह से 8 एवं 9 अप्रैल को विधानसभा स्तर पर सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित होगा । 7 से 13 अप्रैल तक गांव व बस्ती चलो अभियान में भाग लेकर प्रत्येक कार्यकर्ता को कम से कम 8 घण्टे का समय देकर नौ करणीय कार्यो को करना है।प्रशासनिक भार से देश को राहत मिलेगी। इस अभियान से लोकतांत्रिक प्रक्रिया और सुचारू होगी, जिससे जनता को भी लाभ मिलेगा। बैठक में सभी ने हाथ उठा कर उक्त प्रस्ताव का एक स्वर में समर्थन किया। सिद्दीकगंज मंडल की बैठक में राकेश सिसोदिया मंडल अध्यक्ष, धर्मेंद्र परमार, सजन सिंह, राहुल परमार, राजू धरवा, महेंद्र सिंह काप्ले, रमेश चंद, नारायण सिंह पटेल, कोक सिंह, सीताराम मालवीय, मानसिंह,तारा सिंह, संतोष कुमार, राजा भाई, राकेश कुमार, अंशु परमार, आकाश सोलंकी सहित सिद्दीकगंज मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बूथ अध्यक्ष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।

विद्यालय और कक्षा से दूरी नहीं बनायें विद्यार्थी: प्रहलाद पटेल

केरपानी में आयोजित शाला उत्सव कार्यक्रम में हुए शामिल मंत्री

करेली। स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत तीसरे दिन गुरुवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला केरपानी में शाला उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन व दीप प्रज्जवलन कर किया। उन्होंने बच्चों को प्रेरणादायी बातें बताई और उनका हौसला अफजाई किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर उनके जीवन के लक्ष्य के बारे में जाना और उन्हें कहा कि मन में कोई जिज्ञासा नहीं रखें। सवाल पूछने की आदत अपने जीवन में शामिल करें। मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य- पुस्तकों का वितरण किया इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया व उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, पं. रामसनेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्यौहार, डीपीसी, बीईओ, अन्य अधिकारी- कर्मचारी, विद्यार्थी, उनके माता- पिता, अभिभावक और ग्रामीणजन मौजूद थे मंत्री श्री पटेल ने सभी नवप्रवेशी बच्चों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि स्कूल चलें हम अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था, इसलिए ग्रामीण क्षेत्र के इस स्कूल को चुना। पहले यह छुट्टियों का समय हुआ करता था। जुलाई से विद्यालय प्रारंभ होते थे। अब समय बदल चुका है। समय के साथ हुये परिवर्तन को हमें स्वीकारना चाहिये। मंच से मंत्री श्री पटेल ने बताया कि विद्यालय में दर्ज संख्या के अनुसार कई विद्यार्थी आज नहीं आये हैं। उनके नहीं आने का कारण भी हमें जानकर इस पर विचार करना होगा। उन्होंने माता-पिता और अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों को फसल कटाई के कार्य में नहीं शामिल करें। यह समय उनके जीवन में फिर कभी नहीं आने वाला। बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जायें और कक्षाओं में अध्ययन करें। आपको हर त्यौहार मनाने मिलेंगे। इस मामले में स्वयं को भाग्यशाली मानते हुए मंत्री श्री पटेल ने अपने छात्र जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि उनके पिताजी ने हमेशा पढ़ाई और खेलों को बराबर महत्व दिया है। कभी जब अखाड़े या फुटबॉल के मैदान में खेलने नहीं जाता था, तो पिताजी और मेरे गुरू टोका करते थे। इस टोकने की प्रवृत्ति को हमें अन्यथा नहीं लेना चाहिये। यह बच्चों की बेहतरी के लिए है। मंत्री श्री पटेल ने विद्यार्थियों से संवाद के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी को कैरियर काउंसलिंग के सत्र आयोजित करने के निर्देश भी दिये मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वे केन्द्र में मंत्री पद पर रहे और अभी प्रदेश सरकार में मंत्री पद पर है, लेकिन इस दौरान उन पर कभी कोई आरोप नहीं लगा। जीवन की सफलता यही है कि आप पर कभी कोई उंगली न उठायें। आप सभी संकल्प लें कि आप अपने जीवन को बेहतर बनाकर गांव व समाज का नाम रोशन करेंगे। हम नर्मदा तट पर रहने वाले लोग हैं। न जाने कितने परिक्रमावासी प्रतिदिन यहां से गुजरते हैं। हम सिर्फ उनके भोजन व विश्राम की जरूरतें पूरी करते हैं। आप इन परिक्रमावासियों से जब भी मिले, तो उनसे उनके जीवन के अनुभव और उनकी इस यात्रा के बारे में अवश्य जानें। हम यह नहीं जानते कि कौन व्यक्ति परिक्रमावासी के रूप में आया है और वह क्या करता है। अपने गुरू परमपूज्य श्रीश्री बाबा श्री के कथन ÷रेखायें देशों की बीच हमने खीचीं हैं यह धरती एक ही है÷ का भी जिक्र उन्होंने किया कलेक्टर श्रीमती पटले ने भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए सपने देखने और उन्हें पूरा करने की बात कही। इस दौरान उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन और संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा के दौरान आई चुनौतियों और उनका सामना कर कलेक्टर बनने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें देते हुए कहा कि दृढ़ इच्छा शक्ति और आत्मविश्वास के साथ प्रयास करते रहें। मंजिल निश्चित तौर पर आपको मिलेगी।

महामाई मैया की रात्रि में होने वाली नित्य महाआरती में उमड़ रही भक्तों की भीड़

आस्था के वशीभूत प्रतिदिन पहुंच रही है चुनरी यात्राएं

सिरोंज। नगर से छह किलोमीटर दूर महामाई मंदिर पर इन दिनों श्रद्धा भक्ति और उत्सव का मिला जुला नजारा देखने को मिल रहा है। सुदूर जंगल के बीचों बीच ओंकार पहाड़ी पर बसी होने के कारण इस धार्मिक और सिद्ध स्थल को डाँग वाली मैया भी कहा जाता है। चैत्र नवरात्रि उत्सव के दौरान मैया के दरबार मे प्रतिदिन रात्रि साढ़े आठ बजे होने वाली संध्या आरती में धर्मलाभ लेने के लिए क्षेत्र और आसपास से हजारों श्रद्धालु एकत्रित हो रहें है। मंदिर के प्रधान पुजारी आचार्य पंडित नलिनीकांत शर्मा एवं उनके पुत्र पंडित सर्वेश शर्मा के श्रीमुख से संगीतमय रूप से होने वाली मैया की आरती ओर आराधना का इन दिनों विशेष महत्व रहता है। इसके अलावा भोर में चार बजे होने वाली मंगला आरती में भी श्रद्धालु सहभागिता करते है।पूरे नवरात्र में प्रतिदिन काफी संख्या में महिलाएं पैदल चलकर जल चढ़ाने मैया के दरबार में पहुंचती हैं

सबका कल्याण करने वाली नगर की आराध्य देवी महामाई और उनके दरबार मे महामाई सेवा समिति द्वारा श्रद्धालुओं को व्यवस्थित कतारबद्ध करके दर्शन कराने के लिए विशेष इंतजाम समिति एवं प्रशासन द्वारा किए गए है। रात्रि में होने वाली महाआरती का प्रतिदिन आस्था लाइव टीवी के माध्यम से लाइव प्रसारण करने की व्यवस्था भी समिति द्वारा की गई है। महामाई की पहाड़ी पर की गई आकर्षक विधुत सज्जा ओर समूचे रूप से की गई विशेष साज सज्जा के बीच श्रद्धालु परिवार के साथ पहुँचकर धर्म लाभ लेने के साथ मनोरंजन के लिए लगाए गए मेले में झूलों ओर खरीददारी का भी आनंद ले रहे है। विशाल स्तर पर फैले इस महामाई के मेले में श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए समिति द्वारा विशेष इंतजाम कर सदस्यों द्वारा प्रतिदिन उनका निरीक्षण एवं समीक्षा भी की जाती है।

श्रद्धाभाव के साथ मैया के भजन गाते हुए

इस चुनरी यात्रा में माता को चढ़ाने साड़ियां भेंट की जाती है जिनको जोड़कर श्रद्धालुओं द्वारा गाजे बाजे के साथ धूमधाम से पदयात्रा करते हुए यह चुनरी यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई महामाई मंदिर पहुँची। यात्रा में शामिल महिला श्रद्धालुओं का नगर में जगह जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत भी किया गया। चुनरी यात्रा की संयोजक उषा शर्मा ने बताया कि महामाई मैया सब पर कृपा करने वाली हैं। परिवार की सुख शांति और उनका आशीर्वाद लेने के लिए हम सभी श्रद्धालु महिलाएं निरंतर इस चुनरी यात्रा धूमधाम से आयोजन करते हैं और मैया को सबके सहयोग से मिलने वाली चुनरियों को जोड़कर समर्पित करते हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ज्योति चौरसिया,राजश्री सिंहल,अंजलि कटियार, अंजली कटियार ,वंदना अग्रवाल,विनीता मित्तल ,रानी शर्मा, शोभा अग्रवाल, सहित महिलाएं शामिल थी।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई 2 महिला नक्सली ढेर , इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी

मंडला–मध्य प्रदेश के मंडला जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है।बुधवार सुबह बिछिया थाना क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई,जिसमें दो महिला नक्सली मारी गईं।पुलिस ने मौके से अत्याधुनिक हथियार बरामद किए हैं।घटना के बाद इलाके में हाई अलर्ट जारी कर सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस का ऑपरेशन जारी

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना के अनुसार,मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था।इसी दौरान जंगल में नक्सलियों के एक समूह से आमना-सामना हो गया,जिसके बाद दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई।इस मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गईं,जबकि उनके अन्य साथी घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए।बरामद हथियार और अहम सुराग पुलिस ने मौके से एक एसएलआर राइफल,एक साधारण राइफल और एक वायरलेस सेट बरामद किया है।इसके अलावा,नक्सलियों के पास से रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाला सामान भी मिला है,जिससे उनके नेटवर्क और गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है।इलाके में बढ़ाई गई सुरक्षा,ऑपरेशन जारी एनकाउंटर के बाद पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है और बाकी बचे नक्सलियों की तलाश के लिए सघन सर्च ऑपरेशन जारी है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने राहुल गांधी से की मुलाकात

सांध्य प्रकाश बैतूल। अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यालय नई दिल्ली में आयोजित जिला अध्यक्षों की बैठक रखी गयी थी। जिसमे जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे भी इस बैठक मे शामिल होने पंहुचे। संगठन को सुचारू रूप से संचालित कैसे किया जाना है। बल्कि आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गयी। बैठक में विशेष रूप से राष्ट्रिय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे तथा उपस्तिथ लोकसभा सांसद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जिला अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे ने मुलाकात की कुछ खास मुद्दों पर विचार-विमर्श भी किया।श्री वागद्रे ने बताया कि कांग्रेस की इस बैठक में पूरे भारत से सभी अध्यक्षो को बुलवाया था। और बैठक में पार्टी सबंधित और आगामी योजनाओं पर गम्भीरता से चर्चा की है। उन्होंने कहा की कांग्रेस की बैठक में सभी जिला अध्यक्षो का आत्मविश्वाश मजबूत है। आगामी चुनाव में बेहतर परिणाम आने बात कहकर कार्यकर्ताओ में उत्साह वर्धन किया है।

प्रभु श्री राम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले जॉय स्कूल के संचालक के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने दिया ज्ञापन

दमोह 1 अप्रैल 2025 को जॉय स्कूल विजय नगर के संचालक अखिलेश मैबन के द्वारा हमारे आराध्य भगवान श्री राम जी के लिए एवं समस्त हिंदू समाज के विरुद्ध अपमान एवं आपत्तिजनक टिप्पणी की गई , जिससे हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं,इन्हीं के ईसाई समुदाय से आने वाले लोगों द्वारा इसको सोशल मीडिया पर शेयर भी किया , जिसका पुरजोर विरोध विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल करता है।

प्रभु श्री राम जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले अखिलेश मेबन के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट विजय नगर थाना जबलपुर में दर्ज की गई है, जिसमें अभी तक गिरफ्तारी नहीं की गई है, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल शासन प्रशासन से यह मांग करता है कि प्रभु श्री राम जी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले इस व्यक्ति जिसका आपराधिक रिकॉर्ड भी है इसके सभी कृत्यों पर अभी तक कोई भी कारवाही नहीं की गई है , अखिलेश का जो मकान बना है वह भी अवैध रूप से बनाया गया है इस पर कड़ी से कड़ी कारवाही की जाए ।साथ ही इस पर रासुका की कारवाही करने की मांग भी संगठन द्वारा की गई। इसके अलावा जिन लोगों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट को शेयर किया है उनके खिलाफ जांच कर स्नढ्ढक्करते हुए गिरफ्तारी की मांग भी संगठन द्वारा की गई। इसी के विरोध में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा गुरुवार को स्क ऑफिस पहुंचकर ज्ञापन दिया गया, जिसमें तत्काल गिरफ्तारी और रासुका की कार्यवाही करने की मांग की गई और कहा कि यदि तत्काल गिरफ्तारी नहीं की गई तो विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल

भविष्य में उग्र आंदोलन करेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने में विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल के पदाधिकारी, मातृशक्ति दुर्गावाहिनी की बहने और सैकड़ों की संख्या में हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस व 14 अप्रैल को डॉक्टर अंबेडकर जी की जयंती मनाएगी भाजपा

देश को विकास के पथ पर लाई है भाजपा -डॉ. रवि पांडे

शाजापुर भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और राज्य की सरकार राष्ट्र की राजनीति को विकास के पथ पर लाने के एक स्वर्णिम युग की शुरुआत है जिससे आगामी वर्षों में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी अपने प्राण प्रण से जुटे हुए हैं। हरियाणा दिल्ली और महाराष्ट्र में एनडीए की निर्णायक जीत ने यह साबित कर दिया है कि भ्रम फैलाने वालों को देश स्वीकार नहीं कर रहा है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफलतम नेतृत्व में देश प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर हो रहा है उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष डॉ रवि पांडे ने बुधवार को स्थानीय भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित जिला बैठक मे जिला पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। श्री पांडे ने पार्टी पदाधिकारियों से आगामी पार्टी कार्यक्रमों का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करने हेतु चर्चा की।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री पंकज जी जोशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी स्थापना से लेकर आज तक निरंतर संघर्ष करते हुए अपने सर्वोच्च शिखर पर पहुंची है। और कार्यकर्ताओं की मेहनत, लगन और परिश्रम से पार्टी भारत को विश्व का सिरमौर बने ऐसी कामना के साथ कार्य कर रही है। आगामी 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस पार्टी के कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ मनाएंगे। साथ ही आगामी 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती मनाने के कार्यक्रम भी प्रभावी ढंग से कार्यकर्ता प्रत्येक मण्डल मे संपन्न करें।बैठक को जिला प्रभारी श्री जगदीश जी अग्रवाल एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह जी सिसोदिया ने भी संबोधित करते हुए आजीवन सहयोग निधि, एवं मन की बात कार्यक्रमो एवं विगत समय आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में ऊर्जा विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष श्री विजेंद्र सिंह सिसोदिया,पूर्व विधायक श्री जसवंत सिंह हाडा, श्री पुरषोत्तम चंद्रवंशी, श्री बाबूलाल वर्मा, यह विधायक श्री अरुण भीमावत, कालापीपल विधायक श्री घनश्याम चंद्रवंशी, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री अशोक नायक, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार, मंचासीन रहे। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष श्री प्रदीप चंद्रवंशी ने किया एवं आभार जिला कोषाध्यक्ष किरण सिंह ठाकुर ने माना।

श्री राम कथा में बालि वध के बाद वानर सेना ने प्रारंभ की थी सीता की खोज

सांध्य प्रकाश इटारसी। श्री राम जन्म महोत्सव अंतर्गत संगीतमय श्री राम कथा का पंचम दिवस श्री द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर तुलसी चौक में श्री राम जन्म महोत्सव समिति के तत्वावधान में 62 वे वर्ष में आयोजित श्रीराम कथा महोत्सव में चित्रकूट से पधारे प. महेंद्र मिश्र मानस मणि महाराज ने कथा प्रसंग को विस्तार देते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम लक्ष्मण जी और माता सीता वन गमन के दौरान ऋषिमुख पर्वत के समीप पहुंचे। सुग्रीव को आशंका हुई यह कहीं बालि के द्वारा भेजे गए दूत ना हों। हनुमान जी ब्राह्मण का वेष बनाकर राजकुमारों के पास पहुंचे और उन्हें देखकर हनुमान जी ने कहा कि आप बीहड़ जंगलों में नंगे पांव चल रहे हैं, साधारण व्यक्ति नहीं हो सकते।

प्रभु श्रीराम ने हनुमंत लाल से कहा कि हम महाराजा दशरथ अयोध्या के पुत्र हैं और पिता की आज्ञा मानकर वन में आए हैं। हनुमान जी ने सभी तरह से संतुष्ट होने के बाद वानर राज सुग्रीव से राम जी का परिचय कराया। सुग्रीव ने अपनी सारी व्यथा बताई कि किस तरह उसका बड़ा भाई बालि उसे परेशान कर रहा है, जिसके कारण छुपकर वे यहां पर हैं। योजना के अनुसार प्रभु श्री राम ने बालि का वध किया। सुग्रीव से मित्रता की, जो अंततः रावण वध के परिणाम तक पहुंची। आचार्य मानस मणि ने कहा कि बालि के वध के बाद उसकी पत्नी तारा बहुत विकल हुई, तब प्रभु श्री राम ने उसको जीवन और मरण की सही बात बताई जो तारा ने स्वीकार की।

गुरुवार को कथा व्यास के पूजन ओर स्वागत के लिए नगर के चिकित्सक अचलेश्वर दयाल, सुनील देवानी, अनिकेत सिंह, विनय गंगवानी, दीपक जैसवानी, रवि टिकरिया, कोकिला अग्रवाल, सभापति राकेश जाधव, मनजीत कलोसिया,क्षत्रिय ताम्रकार समाज, कल्चुरी समाज, सोनी समाज, कुर्मी गौर समाज सहित आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ नीरज जैन, कार्यकारी अध्यक्ष विपिन चांडक, सचिव अभिषेक तिवारी, उपाध्यक्ष विष्णु शंकर पांडेय, पंकज राठौर, कोषाध्यक्ष प्रकाश मिश्रा, सह कोषाध्यक्ष अमित सेठ सहित बड़ी संख्या में अतिथि उपस्थित रहे।

बृजमोहन अग्रवाल का दिल्ली में गृह प्रवेश, नेताओं ने दी बधाई

रायपुर । दिल्ली सरकारी आवास में रायपुर लोकसभा से सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने गृह प्रवेश किया। सोशल मीडिया में जानकारी साझा करते उन्होंने लिखा, आप सभी के स्नेह और शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार। मां भगवती हम सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और सेवा व समर्पण की शक्ति प्रदान करें। जय माता दी! इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, सांसद संतोष पांडये, विजय बघेल, चिंतामणि महाराज, राधेश्याम राठिया,कमलेश जांगड़े, रूप कुमारी, महेश, भोजराज नाग सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

वित्त विभाग में 53 अधिकारियों के थोकबंद तबादले, आदेश जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने एक बार फिर प्रशासनिक सर्जरी करते हुए वित्त विभागमें थोकबंद तबादले किए हैं। मंगलवार को जारी आदेश में मध्य प्रदेश वित्त सेवा के 53 अधिकारियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया गया है। वित्त विभाग द्वारा जारी ट्रांसफर लिस्ट में उल्लेख किया गया है कि सभी अधिकारियों को एकपक्षीय रूप से कार्यमुक्त किया गया है और उन्हें तत्काल प्रभाव से नई जगह कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में यह भी साफ किया गया है कि नई पदस्थापना की सूचना तुरंत विभाग को दी जाए। सरकार का उद्देश्य इन तबादलों के माध्यम से प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करना है। इससे विभिन्न जिलों में वित्तीय अनुशासन, बजट क्रियान्वयन और ऑडिट कार्यों में सुधार आने की उम्मीद है।

एचडीएफसी बैंक को 'भारत का सर्वश्रेष्ठ एचएनडब्ल्यू' चुना गया

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक को यूरोमनी प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स 2025 में 'भारत का सर्वश्रेष्ठ एचएनडब्ल्यू' चुना गया। ये पुरस्कार यूरोमनी पत्रिका द्वारा आयोजित किए गए थे। यूरोमनी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा है, एचडीएफसी बैंक अपने प्रमुख इम्पेरिया कार्यक्रम के माध्यम से भारत के उच्च निवल मूल्य (एचएनडब्ल्यू) खंड में गति का निर्माण जारी रखता है, जो एक प्रीमियम सेवा है जो व्यक्तिगत धन समाधान प्रदान करती है। इस पेशकश के केंद्र में एक ऐसा मॉडल है जहां धन संबंध प्रबंधक बैंक विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करते हैं ताकि अनुकूलित निवेश और बैंकिंग सहायता प्रदान की जा सके। यूरोमनी ने आगे लिखा है, डिजिटल स्पेस में, बैंक ने हाल ही में स्मार्टवेल्थ प्लेटफ़ॉर्म पेश किया है, जो एक निवेश सेवा है जिसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर समृद्ध वर्ग तक कवरेज का विस्तार करना है। यह मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म ग्राहकों को पोर्टफोलियो को ट्रैक करने, निवेश करने और लक्ष्य-आधारित निवेश अनुशंसाओं तक पहुँचने की क्षमता प्रदान करता है। गेमिफ़िकेशन और सहज उपयोगकर्ता अनुभव को एकीकृत करके, स्मार्टवेल्थ बैंक की शोध क्षमताओं तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाता है, जिससे व्यापक ग्राहक आधार को स्वतंत्र रूप से सूचित वित्तीय निर्णय लेने का अधिकार मिलता है।

एयरबीएनबी ने गोवा अनसीन लॉन्च किया

गोवा, एजेंसी। गोवा अपनी खूबसूरत समुद्र तटों, शानदार नाइटलाइफऔर पर्यटन के लिए मशहूर है। लेकिन इसके अलावा, यहां ऐतिहासिक हवेलियों, सुगंधित मसाला बागानों और पारंपरिक बाजारों से सजी एक सांस्कृतिक दुनिया भी है जो गोवा की विरासत और कला को जीवंत बनाती है। गोवा की कम चर्चित लेकिन समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को सामने लाने के लिए एयरबीएनबी ने गोवा पर्यटन विभाग के साथ मिलकर गोवा अनसीन डिजिटल गाइडबुक लॉन्च की है जो यात्रियों को राज्य के छिपे हुए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों से अवगत कराएगी। एयरबीएनबी और गोवा पर्यटन विभाग की रीडिस्कवर गोवा पहल के अंतर्गत गोवा अनसीन गाइडबुक को लॉन्च किया गया है जिसका उद्देश्य यात्रियों को गोवा की अनदेखी खूबसूरती से परिचित कराना है इसे गोवा के पर्यटन मंत्री श्री रोहन खंवटे, एयरबीएनबी के भारत एवं साउथ ईस्ट एशिया के कंट्री हेड अमनप्रीत सिंह बजाज, और प्रसिद्ध अभिनेता अभय देओल की उपस्थिति में जारी किया गया, जिनका इस राज्य से विशेष जुड़ाव है।

सम्मेलन ने एजुकेटर्स को सशक्त बनाने के लिए नए प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम पेश किए

मुंबई एजेंसी। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट (कैंब्रिज) में इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप ने आज अपने दूसरे वार्षिक दक्षिण एशिया कैंब्रिज स्कूल्स सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें भारत, नेपाल, श्री लंका, भूटान, बांग्लादेश और मालदीव्स के 400 एजुकेटर्स, स्कूलों और वैचारिक नेतृत्वकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस क्षेत्र में कैंब्रिज योग्यता की बढ़ती मांग के साथ सम्मेलन में कैंब्रिज ने स्कूलों, टीचर्स, और लर्नर्स को तेजी से विकसित होते हुए शिक्षा के परिदृश्य में आगे बढ़ने में सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इस सम्मेलन का आयोजन 2030 तक विश्व में 44 मिलियन नए टीचर्स की मांग की पृष्ठभूमि में किया गया। कैंब्रिज ने इस जरूरत को समझते हुए नए प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स एवं क्वालिफिकेशंस, अपस्किलिंग कोर्स, प्रि-सर्विस टीचर ट्रेनिंग और शॉर्ट-टर्म ई-लर्निंग मॉड्यूल्स द्वारा क्षेत्र के एजुकेटर्स को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया, ताकि इस क्षेत्र में टीचिंग की क्षमता का विकास हो सके।

न्युवोको विस्टास को वडराज सीमेंट लि. को 1,800 करोड़ में अधिग्रहित करने के लिए एनसीएलटी की मंजूरी मिली

मुंबई। माननीय नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी), मुंबई बेंच ने इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड, 2016 (आईबीसी) के तहत कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेंसी प्रक्रिया में वडराज सीमेंट लिमिटेड (वीसीएल) के अधिग्रहण के लिए न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत समाधान योजना को मंजूरी दे दी है। एनसीएलटी ने इस संबंध में एक विशेष आदेश जारी किया है। समाधान योजना में 1,800 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान शामिल है। न्युवोको को अपने कंसोलिडेट डेट स्तरों में उल्लेखनीय वृद्धि के बिना ट्रांजेक्शन को फंड देने का इरादा रखती है। यह अधिग्रहण न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड की पूर्ण ओनरशिप वाली सहायक कंपनी वान्या कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (वान्या) के माध्यम से किया जाएगा। इसके बाद, समाधान योजना में तय किए गए फॉर्मूले के अनुसार वान्या का वीसीएल में विलय कर दिया जाएगा।

ऑर्गन डोनेशन पर केन्द्रीय कर्मचारियों को मिलेगी 42 दिन की छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को अंगदान के लिए अधिकतम 42 दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश मिलेगा। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों को अंगदान के लिए अधिकतम 42 दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश प्रदान किया है। कार्मिक मंत्रालय द्वारा 2023 में जारी एक आदेश के अनुसार, जब इस प्रविधान की घोषणा की गई थी, दाता के अंग को निकालने के लिए सर्जरी के प्रकार के बावजूद, सरकारी पंजीकृत चिकित्सक/डॉक्टर की सिफारिश के अनुसार विशेष आकस्मिक अवकाश की अवधि अधिकतम 42 दिन होगी। इसमें कहा गया था कि विशेष आकस्मिक अवकाश आम तौर पर अस्पताल में भर्ती होने के दिन से शुरू होकर एक बार में लिया जाएगा। हालांकि,

डॉक्टर की मंजूरी लेनी होगी

आवश्यकता पड़ने पर सरकारी पंजीकृत चिकित्सक या डॉक्टर की सिफारिश पर सर्जरी से अधिकतम एक सप्ताह पहले इसका लाभ उठाया जा सकता है।

अतिरिक्त पेंशन अदालतें

जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार लंबे समय से चली आ रही शिकायतों के निवारण के लिए भविष्य में अतिरिक्त पेंशन अदालतें आयोजित करना चाहती है। पेंशन अदालत का उद्देश्य केंद्रीकृत पेंशनभोगी शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली में प्राप्त अनसुलझे और पुरानी शिकायतों का मौके पर ही समाधान प्रदान करना है। पेंशन अदालतों में आने वाले अधिकांश मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया जाता है। अगली पेंशन अदालत आयोजित करने से पहले अनसुलझे मामलों पर फिर से विचार किया जाता है और उनकी स्थिति पर विचार किया जाता है। 2020 से इस साल अब तक आयोजित पेंशन अदालतों के दौरान कुल 6,964 मामले उठाए गए, जिनमें से 4,944 का निपटारा किया गया।

भारत का रेल लोकोमोटिव निर्माण में रिकॉर्ड, 1681 का निर्माण कर अमेरिका और यूरोप को पीछे छोड़ा!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में रेलवे लोकोमोटिव का उत्पादन बढ़कर 1681 हो गया, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के कुल लोको उत्पादन से अधिक है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश के सभी लोकोमोटिव इकाइयों की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए रेलवे बोर्ड के प्रवक्ता ने कहा कि पिछले साल भारत में 1472 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ था। इस तरह इस वर्ष पिछले साल की तुलना में 19ब अधिक लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ। 'मेड इन इंडिया' की अवधारणा को मजबूत करने के मकसद से लिए गए फैसलों के क्रियान्वयन में देश में लोकोमोटिव का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। 2004 से 2014 तक की अवधि में देश में कुल 4695 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ था। इसका राष्ट्रीय वार्षिक औसत 469.5 रहा, जबकि 2014 से 2024 के बीच देश में 9168 रेलवे लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ और वार्षिक औसत करीब 917 रहा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1681 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ है। इस वर्ष चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में 700, बनारस लोकोमोटिव वर्क्स में 477, पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स में 304, मधेपुरा में 100 और मरहौरा में 100 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ है। देश में सबसे अधिक लोकोमोटिव मालगाड़ियों को चलाने के लिए उत्पादित किए गए।

अमेज़न पे के एक्सक्लूसिव डील्स और रिवॉर्ड्स के साथ प्लान करें अपनी परफेक्ट समर वेकेशन

मुंबई, एजेंसी। गर्मियां आ गई हैं, यह आपके सपनों की छुट्टियों को प्लान करने का सही समय है! चाहे आपको समुद्र किनारे बीच पर जाना हो, पहाड़ों में सुकून चाहिए या किसी शहर में रोमांचक सफर करना हो, अमेजन पे आपकी यात्रा को आसान, किफायती और फायदेमंद बनाता है। 10 अप्रैल से, आप अमेजन पे के जरिये फ्लाइट्स, होटलों और मूवी टिकट्स की बुकिंग पर बड़ी बचत कर सकते हैं। इतना ही कई खास ऑफर्स के साथ अमेजन पे आपके समर प्लानिंग को और भी आसान बनाएगा। आप यात्रा कर रहे हों या बेहतर जगह ठहरने की योजना बना रहे हो, या समर सीजन की खरीदारी कर रहे हों, अमेजन पे आपको कम खर्च में ज्यादा आनंद लेने में मदद करेगा। तो, अपना सामान पैक करें, सनस्क्रीन लें, और अमेजन पे के साथ अपनी पसंदीदा समर डेस्टिनेशन को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हो जाएं! अमेजन पे के साथ अपनी समर ट्रिप की शुरुआत करें और सभी एयरलाइंस की टिकट बुकिंग पर 25 प्रतिशत तक की छूट पाएं, जिनमें इंडिगो, एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट, अकासा, और एलायंस एयर शामिल हैं। इतना ही नहीं, अगर आप पहली बार फ्लाइट बुक कर रहे हैं, तो एक्स्ट्रा 12 प्रतिशत तक की छूट लें चाहे आपकी यात्रा डोमेस्टिक हो या इंटरनेशनल। यह बड़ी बचत करते हुए नया डेस्टिनेशन एक्सप्लोर करने का सबसे सही समय है। एक बार जब आपकी फ्लाइट बुक हो गई तो अब बारी है अपने आइडियल स्टे को चुनने की। चाहे आपको कोज़ी होमस्टे पसंद हो या लक्ज़री होटल, अमेज़न पे पर आपको हर बजट और पसंद के मुताबिक बेहतरीन ऑप्शंस मिलेंगे। आप आरामदायक होमस्टे की तलाश कर रहे हों या शानदार होटल, अमेजन पे आपकी पसंद और बजट के हिसाब से कई विकल्प प्रदान करता है। इतना ही नहीं, अगर आप पहली बार होटल या होमस्टे बुक कर रहे हैं, तो आप अमेजन पे के साथ 18 प्रतिशत तक का एक्सक्लूसिव कैशबैक पा सकते हैं।

छत्तीसगढ़ रेरा की बड़ी पहल, नए वित्तीय सुरक्षा मॉडल से रियल एस्टेट खरीदारों को मिलेगी गारंटी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट खरीदारों के हितों की सुरक्षा और वित्तीय अनुशासन को मजबूत करने के लिए रेरा (रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण) ने एक नई वित्तीय सुरक्षा प्रणाली लागू करने की घोषणा की है। इस पहल के तहत 17 बैंकों को सूचीबद्ध किया गया है, जिससे रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में पारदर्शिता और अनुशासन को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में रेरा के अध्यक्ष संजय शुक्ला ने बताया कि इस नए वित्तीय माडल का मुख्य उद्देश्य आबंटियों के निवेश को सुरक्षित रखना और धनराशि के दुरुपयोग को रोकना है। बैंकों के सिस्टम को रेरा नामित खातों के अनुरूप बनाया गया है ताकि लेनदेन में पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन बना रहे। साथ ही निधियों की निकासी, आवंटन और निगरानी सॉफ्टवेयर-आधारित प्रणाली के माध्यम से होगी, जिससे मानव हस्तक्षेप न्यूनतम होगा और गलतियों की संभावना कम होगी। रेरा के अध्यक्ष श्री शुक्ला ने बताया कि इस नए वित्तीय माडल के अंतर्गत अब किसी भी रियल एस्टेट परियोजना में आबंटियों से प्राप्त कुल राशि का 70 प्रतिशत भाग एक रेरा नामित बैंक खाते में जमा करना अनिवार्य होगा। रियल एस्टेट सेक्टर में वित्तीय अनियमितताओं को रोकने और खरीदारों के हितों की रक्षा करने के लिए रेरा ने बैंकों को इस प्रक्रिया में शामिल किया है। सरकार द्वारा इस प्रणाली को अपनाने से रियल एस्टेट क्षेत्र को सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। तय नियमों के तहत वित्तीय प्रबंधन आसान होगा, जिससे परियोजनाओं को सुचारू रूप से पूरा किया जा सकेगा। रियल एस्टेट क्षेत्र में वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता को बढ़ावा देगा, जिससे सभी हितधारकों को लाभ मिलेगा।

मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन ने लॉन्च किया इनोविन डे

मुंबई, एजेंसी। मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन (एमआईएफ) द्वारा पहचाने गए कई तकनीकी नवाचारक भारत की प्रमुख चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन, कृषि क्षेत्र में बदलाव, जल संकट और प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन का समाधान खोज रहे हैं। ये नवाचारक खेती के अवशेषों से फर्नीचर बना रहे हैं, औद्योगिक उत्सर्जन को उपयोगी रसायनों में बदल रहे हैं, दुर्लभ-अर्थ मैग्नेट मुक्त मोटर प्रणाली विकसित कर रहे हैं, प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन कर रहे हैं और हवा से नमी निकालकर पानी प्राप्त कर रहे हैं। मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन की प्रमुख सुरंजना घोष ने कहा, इनोविन डे को लॉन्च करने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हम अपने नवाचारकों को सही संसाधन—पूंजी, ग्राहक और आवश्यक संवाद—एक ही मंच पर उपलब्ध कराएं। हम जानते हैं कि इन नवाचारकों के पास बड़े पैमाने पर प्रभाव डालने वाली समाधानशील तकनीकें हैं, लेकिन इन्हें सफल बनाने के लिए पूरे इकोसिस्टम का समर्थन जरूरी है। इनोविन डे इसी दिशा में एक अहम कदम है।

अरिंदम पॉल ने एटॉमबर्ग की व्यावसायिक प्रगती पर व्यक्त होते हुए कहा , जब हमने 2017 में एमआयएफ के स्केल-अप प्रोग्राम में भाग लिया, तब हम ई-कॉमर्स में 7-8 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के बाद ऑफलाइन विस्तार की योजना बना रहे थे। हमें जो मार्गदर्शन मिला, उसने स्पष्ट दिशा दि गयी थी- पहले व्यवसाय के गहराई में जाओ, ऑफलाइन सोचने से पहले ऑनलाइन बाजार में नेतृत्व हासिल करो। यह सिद्धांत—विस्तार से पहले फोकस—तब से हमें लगातार मार्गदर्शन करता आ रहा है। ये सभी नवाचार भारत की हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन इन समाधानों को बड़े स्तर पर लागू करने के लिए निवेशकों, अनुदानदाताओं और व्यावसायिक ग्राहकों से जुड़ना आवश्यक है।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च की ऑरा ,अवांसर और जेडी एयर कूलर की नई रेंज

मुंबई, एजेंसी। जैसे-जैसे गर्मियों की तपिश बढ़ रही है, ठंडक अब केवल एक सुविधा नहीं बल्कि ज़रूरत बनती जा रही है। इस मौसम में राहत देने के लिए क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने एयर कूलर्स की अपनी नई रेंज - ऑरा, अवांसर और जेडी सीरीज़ - लॉन्च की है। पंखों और घरेलू पंपों के क्षेत्र में नंबर 1 ब्रांड के तौर पर अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए क्रॉम्पटन ने यह नई सीरीज़ उन ग्राहकों के लिए तैयार की है, जो तेज़, टिकाऊ और सुविधाजनक कूलिंग सॉल्यूशंस की तलाश में हैं। हर साल जैसे-जैसे तापमान बढ़ता जा रहा है, लोगों के लिए गर्मी के लंबे दिनों और उमस भरी रातों में ठंडक और आराम बनाए रखना एक बड़ा चुनौती बनता जा रहा है। एयर कूलर एक किफायती और तुरंत राहत देने वाला विकल्प जरूर हैं, लेकिन भारत में अब भी जागरूकता की कमी के कारण इनका इस्तेमाल अपेक्षाकृत कम होता है। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड में लार्ज डोमेस्टिक अप्लायंसेज़ के वाइस प्रेसिडेंट मल्हार वादके ने कहा, क्रॉम्पटन में हमारा हमेशा से यह विश्वास रहा है कि नवाचार केवल तकनीकी नहीं, बल्कि व्यावहारिक और सार्थक होने चाहिए, ऐसे जो उपभोक्ताओं की रोज़मर्रा की चुनौतियों का समाधान करें और गुणवत्ता व विश्वसनीयता के हमारे वादे पर खरे उतरें।

ब्राइट आउटडोर मीडिया लि. का बीएसई पर दो शानदार वर्षों का सफर:

उत्कृष्टता, नवाचार और डिजिटल परिवर्तन की यात्रा

ब्राइट आउटडोर मीडिया लिमिटेड का बीएसई एसएमई प्लेटफार्म पर सफर जुनून, रचनात्मकता और अभूतपूर्व उपलब्धियों से भरा हुआ है। 24 मार्च 2023 को अपनी यादगार आईपीओ के साथ शुरुआत करने के बाद से, कंपनी ने पारंपरिक तरीकों को डिजिटल परिवर्तन के साथ सहजता से मिश्रित कर इस उद्योग को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। अभिनव विचारों और प्रेरक सहयोगों के साथ, ब्राइट आउडडोर ने शहरी परिदृश्यों को बदल दिया है, उन्नत डिजिटल एलईडी स्क्रीन को एकीकृत करके शहरों को जीवंत बना दिया है और एक ऐसे भविष्य के लिए मंच तैयार किया है, जो तकनीक और रचनात्मकता द्वारा परिभाषित होगा। इन दो उज्जवल वर्षों में, ब्राइट आउडडोर ने शहरी आकाशों को रोशन किया और बाहरी विज्ञापन की दुनिया में एक अनोखी जगह बनाई है। इसकी समृद्ध पोर्टफोलियो अब प्रीमियम आउटडोर स्पेस, गतिशील ट्रांजिट मीडिया, डिजिटल बिलबोर्ड्स और रेलवे प्रोजेक्ट्स तक फैली हुई है, जो सभी एक मजबूत डिजिटल फोकस के साथ हैं। अत्याधुनिक डिजिटल एलईडी स्क्रीन को स्थापित करके और आगे डिजिटल नवाचारों की योजना बनाकर, कंपनी ने यादगार दृश्य अनुभव तैयार किए हैं, जो आधुनिक दर्शकों के साथ गूंजते हैं और डिजिटल युग में ब्रांडों के साथ उपभोक्ताओं के जुड़ने के तरीके को फिर से परिभाषित किया है। ब्राइट आउडडोर का सफर कई प्रमुख उपलब्धियों से सज्जित है, जो उन बिलबोर्ड्स की तरह चमकते हैं जो यह बनाती है:-

विशिष्ट विज्ञापन सफलता- 2024 में, कंपनी ने पश्चिमी रेलवे के विज्ञापन टेंडर को हासिल किया, जिसमें 11 प्रमुख स्थानों पर जिम्मेदारी ली, जिनमें कंदिवली रोड ओवर ब्रिज, गोरेगाँव रोड ओवर ब्रिज और मृणाल ताई गोरे फ्लाईओवर शामिल हैं। चार एलईडी डिस्प्ले और सात स्थिर होर्डिंग्स के साथ इन स्थलों को रोशन करते हुए, यह कदम विज्ञापनदाताओं को अपार दृश्यता प्रदान करता है। ब्राइट आउडडोर ने नवी मुंबई मेट्रो लाइन 1 पर विशेष अधिकार प्राप्त किया, जिससे स्टेशनों, खंभों और विद्युतीय पुलों को लगभग 85,000 वर्ग फीट में फैला हुआ जीवंत कैनवस बना दिया गया। इस नए दृष्टिकोण ने ब्रांडों के लिए लोगों के साथ जुड़ने के नए और आकर्षक तरीकों के द्वार खोले।

अद्वितीय इन्फ्रास्ट्रक्चर वृद्धि- 12 आधुनिक डिजिटल एलईडी डिस्प्ले और कई स्थिर इंस्टॉलेशन्स के साथ, कंपनी का नेटवर्क अब 419 डिस्प्ले और 386,000 वर्ग फीट में फैला हुआ है—हर एक अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति और बाजार की उपस्थिति का प्रतीक है।

विविध अभियान जादू- सिर्फ 2024 में, विभिन्न क्षेत्रों जैसे वित्त, मीडिया और मनोरंजन में 550 से अधिक विज्ञापन अभियानों को जीवन दिया गया। ब्राइट आउडडोर की रचनात्मकता ने सिंगहम अगेन, पुष्पा 2- द रूल, भूल भुलैया 3 और कल्कि 2898 जैसी 50 से अधिक ब्लॉकबस्टर फिल्मों के अभियानों में अपनी छाप छोड़ी, जिससे कंपनी की प्रतिष्ठा और भी बढ़ी। मेशा नए क्षितिजों की तलाश में, ब्राइट आउडडोर ने नई आउट-ऑफ-होम प्रारूपों में कदम रखा जैसे लिफ्ट ब्रांडिंग, बस शेल्टर ब्रांडिंग, सिनेमा ब्रांडिंग, यात्री और मेट्रो ट्रेन ब्रांडिंग, और एसी बस ब्रांडिंग। इन रचनात्मक समाधानों ने कंपनी को तेजी से बदलते विज्ञापन परिदृश्य में आगे रखा।

मंत्रमुग्ध करने वाली इवेंट सहयोग- ब्राइट आउडडोर का जादू उच्च-प्रोफ़ाइल आयोजनों में भी फैला, जैसे आइआइएफए अबू धाबी में, ग्लोबल बिजनेस समिट न्यू दिल्ली में, मिस वर्ल्ड, फिल्मफेयर अवार्ड्स, एनडीटीवी प्रॉफिट चैनल लॉन्च, टीवी9 वर्ल्ड कॉन्क्लेव और दिलजीत दोसांझ और दूआ लिपा जैसे सितारों के अविस्मरणीय कंसर्ट। दिल छूने वाली सीएसआर पहलकदमियाँ- व्यापार के अलावा, ब्राइट आउडडोर ने विभिन्न ष्टस्क पहलकदमियों के माध्यम से समुदायों में अपनी रोशनी साझा की है, जैसे कि मुफ्त किडनी डायलिसिस केंद्रों की स्थापना, रक्तदान शिविरों का आयोजन, और जरूरतमंदों को भोजन और नोटबुक प्रदान करना। अब बीएसई एसएमई पर अपने तीसरे वर्ष में कदम रखते हुए, ब्राइट आउडडोर मीडिया लिमिटेड और भी बड़ी सफलता की ओर अग्रसर है। नवाचार के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता और अविस्मरणीय विज्ञापन अनुभव बनाने के लिए अपनी गर्मजोशी के साथ, कंपनी नई तकनीकों और रचनात्मक रास्तों का अन्वेषण करने के लिए तैयार है जो दर्शकों को आकर्षित और प्रेरित करेंगे।इस अद्वितीय सफर को देखते हुए ब्राइट आउडडोर मीडिया लिमिटेड के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. योगेश लखानी कहते हैं, हमने पिछले दो वर्षों में जो अद्वितीय प्रगति की है, उस पर हमें गर्व है। एक सफल आईपीओ से लेकर उद्योग के विश्वसनीय नेता बनने तक हमारी यात्रा हमारी पूरी टीम के जुनून, रचनात्मकता और कड़ी मेहनत का परिणाम है। एक अग्रणी भावना के साथ, हमने आउटडोर विज्ञापन में संभव की सीमाओं को लगातार चुनौती दी है, पारंपरिक दृष्टिकोणों को अत्याधुनिक डिजिटल परिवर्तन के साथ सहजता से मिलाकर। हमारा हर प्रोजेक्ट न केवल अपेक्षाएँ पूरी करता है, बल्कि उसे पार करता है, क्योंकि हम अभिनव विचारों को कटिंग एज डिजिटल एलईडी तकनीक के साथ मिलाकर अविस्मरणीय दृश्य अनुभव तैयार करते हैं। हम अपने ग्राहकों और हितधारकों को असाधारण मूल्य प्रदान करने के लिए समर्पित हैं, और यही हमारे हर कदम की प्रेरणा है। जब हम इन उपलब्धियों का जश्न मना रहे हैं, तो हम नई तकनीकों को अपनाने, नवाचारी समाधानों को खोजने और अपने उद्योग के भविष्य को आकार देने के लिए उत्साहित और प्रतिबद्ध हैं। हम सब मिलकर आगे का रास्ता रोशन कर रहे हैं, यह विश्वास रखते हुए कि हमारी साझा दृष्टि, डिजिटल क्षमता और दृढ़ प्रतिबद्धता हमारे सफलता के सफर को आने वाले वर्षों में प्रेरित करती रहेगी।ब्राइट आउडडोर का दो साल का उत्सव केवल एक मील का पत्थर नहीं है, यह कंपनी की रचनात्मकता, डिजिटल नवाचार और अद्वितीय उत्कृष्टता का जीवंत प्रमाण है।

समाज सेवा में निरंतर कार्य करने पर बलराम उईके को कुलगुरु के द्वारा सम्मानित

छिंदवाड़ा! पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा प्राचार्य डॉ. वाय. के. शर्मा के संरक्षण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रो. महेंद्र साहू, प्रो. मंसाराम उईके, डॉ निधि डोडानी के नेतृत्व मे आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर जामुनझिरी के समापन अवसर पर भूतपूर्व एनएसएस स्वयंसेवक और समाजसेवी बलराम उईके को वर्ष 2017 से श्रम, सेवा, सहयोग की भावना को चरितार्थ करते हुए समाज सेवा मे निरंतर कार्य करने और समय समय पर बाल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, रक्तदान, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण जैसे विषयों पर निरंतर कार्य करने और समय समय पर नव प्रवेशित एनएसएस स्वयंसेवकों को परेड प्रशिक्षण देने पर राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.इंद्र प्रसाद त्रिपाठी प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा प्राचार्य डॉ. वाय. के. शर्मा, जनभागीदारी अध्यक्ष भरत घई, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक विनोद तिवारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रो. महेंद्र साहू, प्रो. मंसाराम उईके, डॉ. निधि डोडानी के द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर मैडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया!

मजदूर शिवम् की मृत्यु पर कंपनी ने की 25 लाख की आर्थिक मदद

छिन्दवाड़ा। ठेकेदार एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र यादव ने बताया कि ब्लू ब्रॉस कंपनी द्वारा रामाकोना के पास मोरपानी गांव पर पाईप लाईन निर्माण कार्य किया जा रहा था, जिसमें 17 से 18 मजदूर काम कर रहे थे जिसमें कि पानी की पाईप लाईन चैकिंग के दौरान दो बॉल्व बंद होने के कारण एक पाईप लाईन फटने से पानी के तेज प्रेशर से एक मजदूर शिवम् जाधव निवासी बगडोना, जिला गुना जख्मी हो गया। जिसका ईलाज उसी के साथी एक मजदूर ने पवार हॉस्पिटल छिन्दवाड़ा में लेकर पहुंचा वहॉ से जिला अस्पताल आये एवं जिला अस्पताल से नागपुर रैफर कर दिया गया नागपुर जाते वक्त उस मजदूर की मृत्यु हो गयी जब सुबह - सुबह पोस्टमार्डम के समय राकेश सोलखिया, रिंकू राय, अजय पराड़कर, पंकज राठी, आलोक उर्फ बंटी धारपुरे ने मैं शैलेन्द्र यादव ठेकेदार एसोसिएशन के अध्यक्ष मुझसे इन्होंने संपर्क किया और हॉस्पिटल पहुंचा तब कंपनी के सुपर वाइजर राहुल शर्मा से मुलाकात हुई उन्होंने कंपनी के ऑनर विशाल उमन्द से चर्चा करवायी तब बताया कि वे दिल्ली गुडगांव के रहने वाले है उन्होंने कहा कि शिवम् जाधव को मैं 25 लाख रूपये की आर्थिक सहायता उसके परिजन को दूंगा, जिसमें से 10 लाख रूपये मृतक के भाई को 03 अप्रैल 25 को आर.टी.जी.एस. के माध्यम से दिये गये एवं बाकी की रकम 15 लाख रूपये उनके परिवार को 15 से 20 दिन में सौंप देने का आश्वासन दिया साथ ही उसके बीमा की राशि भी दिलवाने में मदद करने की बात कही है।

महेश धुर्वे बने भारतीय किसान यूनियन टिकेत के छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष

किसानो के हितो को लेकर करेंगे कार्य

सिंगोड़ी। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के एक छोटे से गांव पिंडरई डबीर के निवासी महेश धुर्वे पिता सोम लाल धुर्वे को भारतीय किसान यूनियन टिकेत संघ के जिला अध्यक्ष छिंदवाड़ा के पद पर मनोनीत किया गया है। जिसके चलते श्री धुर्वे आदिवासी विधानसभा क्षेत्र के निवासी होने के साथ साथ समाजसेवा के क्षेत्र में अनेक कार्य कर चुके है और गरीब किसान सहित आदिवासियों के हितार्थ हेतु लड़ाई लड़ते है जिन्हें आज भारतीय किसान यूनियन संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने नियुक्ति पत्र प्रदान कर छिंदवाड़ा का जिला अध्यक्ष बनाया है। और इन्हें चौ. टिकैत की नीतियों कार्यक्रम आदि का प्रचार-प्रसार करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने के कार्य करने सहित क्षेत्र के किसानो की समस्याओं का समाधान करने व हितो का ध्यान रखने की बात कही।

नुक्कड़ नाटक पानी है तो जिंदगानी है का मंचन किया

छिंदवाडा। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदनगांव में विश्व हिंदी रंगमंच दिवस के उपलक्ष्य में प्रसिद्ध रंगकर्मी श्री विजय आनंद दुबे द्वारा छात्राओं को नाट्यकला कौशल के कुछ महत्वपूर्ण बिन्दूओं से परिचय कराया गया एवं एक नुक्कड़ नाटक पानी है तो जिंदगानी है का मंचन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था की सभी छात्राओं के द्वारा सहभागिता की गई। इस अवसर पर संस्थां के श्री सुनील पवार, प्रभारी प्राचार्य, एवं शिक्षक श्री पराग कटारे, श्री मंगलप्रसाद मानमोड़े, श्रीमती प्रेमवती उइके, श्री विपतलाल डोंगरे, नकुल खापरे, योगेश पाटिल तथा उपेन्द्र वर्मा उपस्थित रहे।

रामनवमी की पूर्व संध्या पर हर घर में जलायें पांच दिये एवं भगवा झण्डा लगाएं

श्रीराम जन्मोत्सव पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा हिन्दू उत्सव समीति ने स्वागत द्वार, भगवातोरण पताका लगाकर सजाया शहर

छिंदवाड़ा। हिन्दूउत्सव समिति छिंदवाड़ा द्वारा श्री राम जन्मोत्सव 6 अप्रैल को भव्य रूप से मनाने का निर्णय किया है। हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष शंटी बेदी सहित पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि सभी के सहयोग से मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जन्मोत्सव के अवसर पर विशाल शोभायात्रा (पदयात्रा) का आयोजन किया गया है। इस शोभायात्रा का नेतृत्व हजारों कि संख्या में मातृशक्ति द्वारा किया जायेगा। पत्रकार वार्ता में हिन्दु उत्सव समीति से जुड़े प्रमुख जनप्रतिनिधियों में हिन्दु उत्सव समीति के अध्यक्ष शंटी बेदी, जिला भाजपा के अध्यक्ष शेषराव यादव, नगेन्द्र ब्रम्हचारी, पूर्वमंत्री दीपक सक्सेना, चौधरी चन्द्रभान, गंगाप्रसाद तिवारी, रमेश पोफली, महापौर विक्रम अहके, निगम अध्यक्ष सोनू मागो, विश्व हिन्दु परिषद अरविंद प्रताव, इन्द्रजीत सिंह बैस, विजय झांझरी, कांता योगेश सदारंग, हरिओम सोनी, संतोष राय, शिव मालवी, धर्मेन्द्र मिगलानी, अभिलाष गोहर, अरूण शर्मा, आनंद बक्सी, विजय पांडे, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

उन्होने बताया कि शोभायात्रा का स्वरूप सबसे प्रथम पंक्ती में शोभायात्रा पथदर्शक डी0 जे0 रहेगा। चांदामेटा की टोली- पथक, ढोल गर्जना के साथ अग्रेसर रहेगी। संत-महात्मा, पुजारी पथ प्रदर्शन करेंगे। श्री हनुमान जी,अंगद सुग्रीव वानर सेना के साथ रहेंगे,समीति के अध्यक्ष ने बताया कि शोभायात्रा में श्री राम दरबार की जीवंत झांकी रथ पर सवार रहेगी। माँ काली, माँ दुर्गा जी की झांकी रथ पर सवार रहेगी।. कन्याओं की टोली राम धुन के साथ चलेगी। शंकर-पार्वती जी कि झांकी रथ पर रहेगी। मातृशक्ति एक ड्रेस कोड के साथ हजारो कि संख्या में रामधुन-जागरण करते चलेगी। महाकाल कि झांकी रथ पर सवार रहेगी। युवाशक्ती जय श्रीराम का घोष करते हुए चलेगी।भारत माता कि झांकी व्हह शोभायात्रा श्री दादाजी धुनीवाले मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से दशहरा मैदान पहुंचेगी।अनगढ़ हनुमान मंदिर में सामुहिक, हनुमान चालीसा का पाठ होगा। दशहरा मैदान में सुंदरकांड पाठ प्रभु श्रीरामचंद्र जी का पूजन-अर्चन -आरती होगी। प्रसाद वितरण के पश्चात शोभायात्रा का समापन होगा।

भगवातोरण, विद्युत सज्जा के साथ सजा शहर

हिन्दु उत्सव समीति द्वारा शहर को आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ सजाया गया है।* शहर में दस स्थानो पर बड़े स्वागत द्वार एवं 15 स्थानो पर एकल स्वागत द्वार बनाये गये है।शहर के मुख्य मार्गो पर 500 किलो भगवातोरण पताका लगाकर सजाया गया है। शहर के होल्डींग पर रामायण काल के प्रसंगो की उल्लेखित होल्डींग लगाये गये है। शहर के मार्गो पर भगवा ध्वज लगाये गये है।

घर घर पीले चांवल के साथ आमंत्रण दिया

शहर में घर-घर जाकर पीले चावल के साथ आमंत्रण पत्र देकर परिवार के साथ श्रीराम जन्मोत्सव के शोभा यात्रा में शामिल होने का निवेदन किया है।* हर घर पर भगवान श्री राम जी के स्टीकर लगाये जा रहे है। भगवा ध्वज लगाए जा रहे है।* शहर मुख्य मठ मंदिरों में श्री राम जी के जन्मोत्सव पर प्रसाद एवं अतिशबाजी वितरित की जायेगी। दशहरा मैदान में शोभायात्रा के समापन पर आकर्षक आतिशबाजी की जायेगी।

इन मार्गो से निकलेगी शोभात्रा

हिन्दु उत्सव समिति के अनुसार शोभायात्रा- पदयात्रा दिनांक 06 अप्रैल 2025दिन रविवार शाम 4.00 बजे,शोभायात्रा मार्ग श्री दादाजी धुनीवाले मंदिर से प्रारंभ होकर माता मंदिर गुरुद्वारा के बाजू से , चारफाटक, संतोषी चाटी पान की दुकान के चार खम्बा सामने से शनिचरा बाजार, मनमंदिर, श्याम टॉकिज, चारफाटक, तिलक मार्केट, शास्त्री प्रतीमा यातायात थाना, मानसरोवर कॉम्पलेक्स, जेल तिराहा, फव्वारा चौक अंनगढ़ हनुमान मंदिर (हनुमान चालीसा पाठ) कोतवाली थाना, दशहरा मैदान मे समापन होगा। जहां महाआरती के बाद प्रसाद वितरण कर आतिशबाजी की जाएगी।

भक्तों की आस्था का केंद्र बिन्दु....

स्वयंभू श्री बड़ी माता विशेष श्रृंगार पूजन पाठ से सुशोभित हुआ

छिंदवाड़ा। नगर शक्तिपीठ श्री बड़ी माता मंदिर में चैत्र नवरात्र के पावन पर्व में 9 दिवसीय नवरात्र महोत्सव का कार्यक्रम विधि विधान पूर्वक किए जा रहे हैं। अध्यक्ष संतोष सोनी ने बताया इस वर्ष चैत्र नवरात्र में दिव्य 201 ज्योति कलश प्रज्वलित हो रहे हैं। जिसमें भक्ति भाव के साथ प्रतिदिन प्रातः संध्या पूजन पाठ नियमित रूप से किए जा रहे है। इसी तारतम्य में पंचमी विशेष महाआरती का आयोजन बुधवार की रात्रि में किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में दर्शन , पूजन हेतु भक्त भक्तगण सम्मिलित हुए। इसी क्रम में छठमी की विशेष तिथि में माताजी के स्वयंभू प्रकट स्वरूप गर्भगृह में विशेष श्रृंगार सेवकों के द्वारा अनाराम अन्नास श्रृंगार से बड़ी माई के स्वयंभू दरबार को सुशोभित किया गया है। जिसमें बड़ी संख्या भक्तगण पूजन दर्शन किया गया। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष अखिलेश भारद्वाज ने बताया जैसा कि आप सभी को विदित है। करोड़ों के मंदिर नवनिर्माण जनसहयोग के लिए नगर के विभिन्न क्षेत्रों में टोलियों के माध्यम से प्रतिदिन सहयोग लेने हेतु मंदिर ट्रस्ट पदाधिकारी सहयोग लेने हेतु घर घर जा रहे है। आप समस्त नगर वासी से विनम्र निवेदन है। हमारे जनसहयोग में अधिक से अधिक अपनी भावनाओं क्षमता के अनुसार मंदिर नवनिर्माण में अवश्य सहयोग करें।आगामी तिथियों के मुख्य कार्यक्रम जिसमें अष्टमी का हवन पूजन कार्यक्रम 5 अप्रैल प्रातः 10 बजे आरंभ किया जाएगा। नवमी कन्या पूजन 6 तारीख को प्रातः 10 बजे से साथ ही हलवा पुड़ी महाप्रसाद का वितरण भी किया जाएगा। साथ ही संध्या 3 बजे से ज्वारे कलश विसर्जन का कार्यक्रम भी रखा गया है। आप मंदिर ट्रस्ट के समस्त कार्यक्रम के सादर आमंत्रित रहेंगे।

वन विभाग ने पकड़ा सागौन के लट्ठा और चटपट,प्रकरण पंजीबद्ध

अमरवाड़ा। वन विभाग अमरवाड़ा ने मुखबिर की सूचना के बाद सागौन का बड़ा जखीरा आरोपियों के साथ पकड़ा है। मुख्य वन संरक्षक मधु वि. राज, वन मंडल अधिकारी पूर्व एलके वासनिक एवं एसडीओ सिद्धार्थ दीपांकर के कुशल मार्गदर्शन पर 1 अप्रैल की दरमियानी रात मुखवीर की सूचना के आधार पर अमरवाड़ा वन विभाग द्वारा टीम गठित कर गश्ती की गई। गश्ती दल द्वारा गश्ती के दौरान पशु चिकित्सालय अमरवाड़ा से ढाबा मार्ग पर वाहन क्रमांक एमपी 28 श्व 7417 बोलोरो पिकअप एवं दो पहिया वाहन होंडा शाइन एमपी 28 ह्स्र 0997 के द्वारा बोलोरो पिकअप के आगे आगे चलकर रास्ता साफ का संकेत दिया जा रहा था। जहां घेराबंदी कर रोककर पूछताछ एवं तलाशी करने पर पाया गया कि वाहन में सागौन लट्ठा एवं चटपट 14 नग अवैध रूप से ले जाते पाए गए। जहां आरोपी मोहनलाल पिता सोमनाथ धुर्वे बडस्लैया, सेलकुमार पिता शंकर लाल उइके छाता खुर्द, दीपेंद्र पिता रामकुमार बाडीवा बडस्लैया, सियाराम पिता मनक लाल सिरसाम कारापाठा संजय पिता डबल सिरसाम कारापाठा तहसील हर्रई द्वारा बताया गया की खेत में लगे सागौन पेड़ को काटकर अवैध रूप से बचने के उद्देश्य से अमरवाड़ा लाए थे। इसके उपरांत दोनों वाहनों को अवैध परिवहन एवं क्रय विक्रय का उल्लंघन करने पर माप जोक करते हुए सभी पांचो आरोपियों के विरुद्ध राष्ट्रीय विनिर्दिष्ट वनोपज का अवैध परिवहन एवं क्रय विक्रय करने पर वन अपराध की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। उक्त मामले की बारीकी से जांच जारी है।

इनकी रही भूमिका : इस बड़ी कार्यवाही में वन परिक्षेत्र अधिकारी रामानंद कश्तवार परिक्षेत्र सहायक महावीर संखवार परिक्षेत्र सहायक पुनाराम कहार वनरक्षक कमलेश सूर्यवंशी वनरक्षक राजू वर्मा आदेश मर्सकोले विष्णु प्रसाद ठाकुर संजय बादशाह मोहसिन खान एवं सहयोगी मनोहर यादव और कैलाश यादव का सहयोग रहा।

मातेश्वरी मंदिर प्रांगण में आयोजित शतचंडी यज्ञ

वैदिक मंत्र उच्चारण से गुंजायमान हुआ पूरा नगर

अमरवाड़ा। नगर के सिद्ध पीठ मातेश्वरी मंदिर में नवरात्र के अवसर पर 9 कुंडली शत चंडी महायज्ञ का आयोजन 30 मार्च से 7 अप्रैल तक किया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन यज्ञ की संपूर्ण मांगलिक क्रियाएं मंडल पूजन माता जी का अभिषेक दुर्गा सप्तशती हवन के साथ सभी मांगलिक क्रियाएं संपन्न हो रही हैं जिसमें बड़ी संख्या में नगर वासी पहुंच रहे हैं और नौ कुंडली यज्ञ में प्रतिदिन 9 जोड़ के साथ अन्य जोड़ भी बैठकर वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ यज्ञ कर रहे हैं और यज्ञशाला की परिक्रमा करने के लिए प्रतिदिन नगर वासी सुबह से मंदिर पहुंच रहे हैं और विविध कार्यक्रम भी आयोजित हो रहे हैं और श्रद्धालु यज्ञशाला की परिक्रमा बड़े भक्ति भाव के साथ कर रहे हैं सुबह से वैदिक मंत्र उच्चारण से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो जाता है

श्रीश्रीशतचंडी महायज्ञ में विद्वानों का रह रहा विशेष सहयोग

अमरवाड़ा की मातेश्वरी मंदिर प्रांगण में आयोजित नवरात्र के अवसर पर श्री शतचंडी महायज्ञ में समस्त मांगलिक क्रिया यज्ञ आचार्य पंडित रामभरोस अवस्थी की मार्गदर्शन पर पंडित नरेंद्र शास्त्री छिंदवाड़ा पंडित अजय दुबे छिंदवाड़ा पंडित भोला प्रसाद मिश्रा पंडित भूपेंद्र मिश्रा पंडित लच्छू महाराज जी भोला अवस्थी पंडित सत्यनारायण तिवारी पंडित रतन दुबे छिंदवाड़ा पंडित सत्येंद्र शास्त्री के द्वारा प्रतिदिन दुर्गा सप्तशती का पाठ व यज्ञ की संपूर्ण क्रियाएं वैदिक मत्रों के द्वारा संपन्न की जा रही है प्रातः कालीन समय में सभी मंडलों का पूजन किया जाता है पश्चात दोपहर के समय में यज्ञ हवन आहुति यजमान से कराई जाती है अमरवाड़ा की समस्त श्रद्धालु जन यज्ञ की परिक्रमा करने के लिए प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में आ रहे हैं

जनपरिषद की ब्राण्ड एम्बेसडर पर्वतारोही भावना डेहरिया को विक्रम पुरस्कार

छिंदवाड़ा। जनपरिषद की ब्राण्ड एम्बेसडर पर्वतारोही, भावना डेहरिया का नाम मध्यप्रदेश शासन के राज्य स्तरीय खेल पुरस्कार विक्रम पुरस्कार 2023 की सूची में शामिल किया गया है। इस उपलब्धि के साथ, भावना मध्यप्रदेश से एडवेंचर स्पोर्ट्स श्रेणी में विक्रम पुरस्कार के लिए चुनी जाने वाली पहली महिला बन गई हैं। मध्यप्रदेश सरकार हर वर्ष खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल हस्तियों को विक्रम, एकलव्य, विश्वामित्र, लाइफटाइम अचीवमेंट एवं प्रभाष जोशी पुरस्कार से सम्मानित करती है। विक्रम पुरस्कार 2023 की सूची का ऐलान खेल और युवा कल्याण विभाग (DSYW), मध्यप्रदेश शासन द्वारा किया गया।छिंदवाड़ा की रहने वाली भावना ने 2019 में माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) फतह कर इतिहास रचा और अपनी पर्वतारोहण यात्रा में कई महाद्वीपों की ऊँची चोटियों को सफलतापूर्वक चढ़ा। उन्होंने साहसिक खेलों में रुचि रखने वाली युवा प्रतिभाओं, विशेष रूप से महिलाओं को, इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान की ब्रांड एंबेसडर के रूप में भावना ने हमेशा बेटियों को बड़े सपने देखने और हर चुनौती को पार करने के लिए प्रेरित किया है।

सैकड़ों छात्रों ने महाविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखी समस्यायें

छिंदवाड़ा। एन.एस.यू.आई. छात्र नेता अर्पित तिवारी ने बताया कि महाविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली जब-जब परीक्षा का परिणाम जारी होता है तब तब लगातार संदेह में आती रहती है । जो कार्य असंभव है उसे महाविद्यालय द्वारा संभव बना दिया जाता है। छात्र छात्राओं का भविष्य तब तक महाविद्यालय के हाथों में रहता हे जब तक वह वहां से अपनी पढ़ाई पूर्ण करके न निकल जाए। क्योंकि अच्छा पेपर देने के बाद भी छात्र छात्राओं को परीक्षा में सप्लीमेंट्री दे दी जाती है। सैकड़ों की संख्या में छात्र छात्राओं को सप्लीमेंट्री देकर महाविद्यालय मोटी फीस छात्र छात्राओं से वसूल कर रहा है छात्र छात्राएं इसी बात से परेशान हैं की लगातार उन्हें एक बराबर नम्बर देकर उनके भविष्य के साथ खिलबाड़ किया जा रहा है। एक बराबर नम्बर होने के कारण कई छात्रों को संदेह भी होता है कि क्या वास्तव में उनके पेपर सही से चेक हो रहे हे या नहीं। जब छात्र अपनी बात लेकर अपने अपने विभागों में जाते हैं तो उन्हें वहां से संतोष जनक जवाब नहीं मिलता बल्कि उन्हें यह बता दिया जाता है, कि टेक्निकल समस्या के कारण उनका रिजल्ट गलत जारी हुआ है। छात्र छात्राओं के द्वारा कहा गया कि आज सभी छात्र छात्राओ ने महाविद्यालय पहुंच कर अपनी अपनी समस्या से महाविद्यालय प्रशासन को अवगत कराया और 2 दिन का समय भी दिया यदि 2 दिन के भीतर कोई कार्यवाही महाविद्यालय प्रशासन के द्वारा नहीं की गई तो हम सभी सैकड़ों छात्र छात्राएं छात्र नेता अर्पित तिवारी के नेतृत्व में भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे। इस ज्ञापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिवनारायण वर्मा, अभिजीत इवनाती, शुशील परतेती, अनामिका यादव, मेघा सोनकर, अभिषेक वर्मा, अभय पटेल, रंजीत इवनाती , सचिन पहाड़े ओम कनोजिया,रोहित ऊईके, प्रशांत साहू सहित महाविद्यालय के सैकड़ों छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जल यात्रा निकाल कर दिया महिलाओ ने जल संरक्षण का संदेश

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा अभियान अब जन जन का अभियान बनते जा रहा है ।जहा एक और नदी तालाब पोखरण सहित जल की महत्ता को लेकर अनेकों श्रमदान,एवम जागरूकता कार्यक्रम जिले कलेक्टर शीलेंद्र सिंह जी के कुशल मार्गदर्शन में किए जा रहे है ।वही कलेक्टर महोदय के निर्देश पर जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा द्वारा ग्रामीण अंचलो सहित शहर में भी अनेकों जल संगोष्ठी जल शुद्धिकरण हेतु श्रमदान जैसे कार्य किए जा रहे है उसी श्रंखला में गुरुवार को परतला के शंकर नगर में रहीम क़े दोहे रहिमन पानी रखिये बिन पानी सब सुन के गुंजायमान से गुंज उठा सम्पूर्ण क्षेत्र उक्त धार्मिक आयोजन में जल की पूजा अर्चना कर जल की महत्ता बताने मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा द्वारा अभिनव प्रयास किए गए।जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में नवदुर्गा महिला मंडल द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल यात्रा, कलश यात्रा एवं संगोष्ठी क़र सुहागले पूजन के साथ महिलाओं ने जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ ली। इस अवसर पर महिलाओ ने घर् घर् जाकर आर. ओ. से निकलने वाला जल से पौधे की सिचाई क़र पर्यावरण संरक्षण क़े बारे मे समझाइस दे क़र जागरूक किया।एवम मध्यप्रदेश शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान में सक्रिय सहभागिता के साथ पानीं महत्व का जन जन तक संदेश देने का कार्य समस्त मातृ शक्तियों ने किया।

सी एम एच ओ डॉ. रविकांत उइके बने मध्यप्रदेश के जॉइंट डायरेक्टर परिहार को दिया बैतुल का प्रभार

बैतूल। जिले में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। बैतूल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरूश्व्र) डॉ. रविकांत उइके को उनकी कुशल प्रशासनिक कार्यशैली और स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतरीन योगदान के चलते प्रमोशन दिया गया है। उन्हें संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मध्यप्रदेश में वरिष्ठ संयुक्त संचालक (जॉइंट डायरेक्टर) के पद पर पदस्थ किया गया है। डॉ. रविकांत उइके का सराहनीय कार्यकाल रहा उनके नेतृत्व में बैतूल जिले के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती मिली। उन्होंने महामारी नियंत्रण स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनके नेतृत्व में जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक सुधार हुआ। जिससे जिलेवासियों को बेहतर इलाज की सुविधा मिली। उनके इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण राज्य सरकार ने उन्हें नई और बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। वहिं अब जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में डॉ. राजेश परिहार की नियुक्ति की गई है। वे पहले जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। और जिले में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। उनकी नियुक्ति से स्वास्थ विभाग को नई ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद है। जिले के लोगों को उम्मीद है। कि डॉ. राजेश परिहार भी अपने पूर्ववर्ती डॉ. रविकांत उइके की तरह स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और विस्तार के लिए निश्चित ही अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

जिला शहर कांग्रेस मण्डला ने जलाया सीएम का पुतला

सौरभ शर्मा को जमानत लोकायुक्त की नाकामी का प्रमाण

मण्डला-मध्यप्रदेश में सौरभ शर्मा मामला लोकायुक्त और सरकार की मिलीभगत का ताजा उदाहरण बनकर सामने आया है।पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा,जिसके पास से करोड़ों रुपये की अघोषित संपत्ति,52 किलोग्राम सोना और 11 करोड़ से अधिक की नकदी बरामद हुई थी।लोकायुक्त पुलिस की घोर लापरवाही के चलते विशेष लोकायुक्त अदालत से जमानत मिल गई।

निर्धारित 60 दिनों में चालान पेश न कर पाने की यह नाकामी कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा प्रतीत होती है। इस पूरे प्रकरण में लोकायुक्त की संदिग्ध भूमिका और सरकार की चुप्पी जनता के सामने सच्चाई को उजागर कर रही है। इस हाईप्रोफ़ाइल मामले की जांच के दौरान लोकायुक्त निदेशक जयदीप प्रसाद का अचानक ट्रांसफर इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि सरकार इस मामले को दबाने में जुटी है।जयदीप प्रसाद, जिन्होंने सौरभ शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर छापेमारी की थी,को हटाना स्पष्ट करता है कि बड़े रसूखदारों को बचाने के लिए सरकार किसी भी हद तक जा सकती है,लेकिन यह कोई पहला मामला नहीं है।म.प्र.में लोकायुक्त और सरकार की मिलीभगत से भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने का सिलसिला लंबे समय से जारी है।जहां लोकायुक्त अधिकांश मामलों में भ्रष्टाचारियों को बचाने का काम करती है। लोकायुक्त,प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग और अन्य एजेंसियों द्वारा सौरभ शर्मा के ठिकानों से बरामद बेशुमार संपत्ति के बावजूद जांच में ढिलाई, जयदीप प्रसाद का ट्रांसफर और निर्धारित समयावधि में चालान पेश न करना इस बात का संकेत है कि सरकार और लोकायुक्त मिलकर अपराधियों को खुली छूट दे रहे हैं।ऐसे में अब जरूरी हो गया है कि लोकायुक्त जैसी भ्रष्ट और औचित्यहीन संस्था को बंद कर दिया जाए।

मध्यप्रदेश की जनता यह जानना चाहती है कि सौरभ शर्मा को जमानत और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने के पीछे का सच क्या है? यदि सरकार ने इस मामले में पारदर्शिता नहीं दिखाई और लोकायुक्त संस्था को बंद करने की मांग पर अमल नहीं किया, तो यह साबित हो जाएगा कि उसका भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का दावा महज एक छलावा है।

विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने पूरे आत्म विश्वास के साथ करें कर्म: श्री पटेल

पीएमश्री एमएलबी स्कूल में स्कूल चले हम कार्यक्रम का आयोजन

सांध्य प्रकाशयोगेश गुप्ता बैतूल। पी एम श्री महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्कूल चले हम अभियान÷ के तहत भविष्य से भेंट और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी,जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.अनिल सिंह कुशवाह मौजूद रहे। सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र समक्ष दीप प्रज्वलित,सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के माध्यम से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने जनजातीय सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को तिलक लगाकर उन्हें पाठ्य पुस्तकें भेंट दी। कार्यक्रम के पूर्व प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने नीट और जेईई के बच्चों से चर्चा की और उनका उत्साह वर्धन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि काक चेष्टा, बको ध्यानं,स्वान निद्रा तथैव च अल्पहारी, गृहत्यागी ये आदर्श विद्यार्थी के पांच लक्षण हैं। उन्होंने ये गुण धारण कर अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि हम जिस लक्ष्य को निर्धारित किया है। उसे पाने के लिए एकाग्रचित होकर पूरे आत्मविश्वास के साथ कर्म करें। आप निश्चित ही सफल होंगें। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाषण और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देने वाली छात्राओं को 500-500 रुपए की नगद राशि दिए जाने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने कक्षा दसवीं में 85 प्रतिशत लाकर लैपटॉप और स्कूटी प्राप्त करने वाली छात्रा सृष्टि साहू को भी सम्मानित किया। प्रभारी मंत्री श्री पटेल से विद्यार्थियों ने हंसी-ठहाकों के बीच कैरियर निर्माण के गुण सीखे। इसके अलावा उन्होंने हमारे जीवन में गुरु के महत्व से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया और गुरुजनों का सम्मान करने के लिए कहा। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि आप अपना लक्ष्य तो तय कर सकते हो लेकिन भाग्य को नहीं बदल सकते। भाग्य आपको जहां ले जाना है। वहां लेकर जाएगा। लेकिन भाग्य भी आपको वहीं लेकर जाएगा जिस दिशा में आपके कर्म होंगे। जिस तरह शेर को अपना शिकार करने के लिए भी प्रयत्न करना पड़ता है। ठीक उसी प्रकार विद्यार्थियों को अपना भाग्य जमाने के लिए कर्म करना पड़ेगा।

आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने भविष्य से भेंट कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को शिक्षा अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि सभी समाज में मान-सम्मान पद पाना चाहते है। जो शिक्षा के बिना अधूरे हैं। विधायक डॉ.पंडाग्रे ने विद्यार्थियों से कहा कि आपकी जिस क्षेत्र में रुचि हो वह कार्य करें। सभी विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित करें।

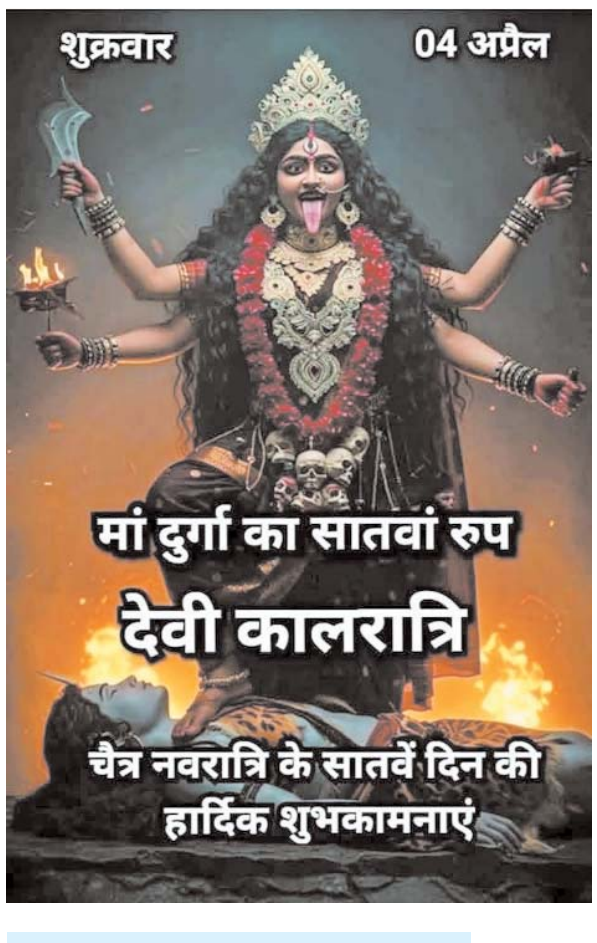

भोपाल नगर निगम बजट 2025: BMC ने बढ़ाया भोपालवासियों पर टैक्स का बोझ

भोपाल। नगर निगम ने शहर के नागरिकों पर टैक्स का बोझ बढ़ा दिया है। बीएमसी की महापौर मलाती राय ने गुरूवार, 3 अप्रैल को निगम का 2025-26 का बजट पेश करते हुए प्रॉपर्टी टैक्स, वॉटर टैक्स, सॉलिड वेस्ट और सीवरेज टैक्स बढ़ाने का ऐलान किया है।

उन्होंने संपत्ति कर में 10 फीसदी और पानी, कचरा और सीवरेज टैक्स में 15-15 फीसदी वृद्धि करने का प्रस्ताव किया है। आइए अब आपको बताते हैं कि यदि नगर निगम परिषद ने महापौर का ये प्रस्ताव जस का तस मंजूर कर दिया तो आपकी जेब पर सालाना कितनी राशि का बोझ बढ़ जाएगा।

यदि शुक्रवार, 4 अप्रैल को सदन में बजट पास हो जाता है, तो भोपाल शहर के 2 लाख 75 हजार नल कनेक्शनधारियों और 5 लाख 62 हजार लोगों को हर साल प्रॉपर्टी, वॉटर, सीवरेज और सॉलिड वेस्ट के नाम पर 7 हजार 797 रुपए चुकाने होंगे। वर्तमान में इन चारों टैक्स का कुल 6 हजार 895 रुपए चुका रहे हैं, लेकिन विपक्ष कहना है कि वह ऐसा होने नहीं देंगे। विपक्ष का कहना है कि सदन में ऐसा बजट पास नहीं होने देंगे, जो जनता को घाटा पहुंचाए।

भोपालियों पर कैसे बढ़ेगा 902 रुपये का बोझ- भोपाल में रहने वाले लोगों से नगर निगम अभी प्रॉपर्टी टैक्स, वॉटर टैक्स, सॉलिड टैक्स और सीवरेज टैक्स वसूल करता है। ये सभी टैक्स मिलाकर भोपालियों को सालाना 6 हजार 895 रुपये टैक्स भरना पड़ता है। अगर निगम टैक्स में बढ़ोतरी करता है तो आपको सालाना 7797.50 रुपये टैक्स भरना पड़ेगा। इसका मतलब है कि आपकी जेब पर सालाना 902 रुपये का बोझ बढ़ेगा।

वॉटर टैक्स में 31 रुपए 50 पैसे का इजाफा- इस बार नगर सरकार ने वॉटर टैक्स में 15 फीसदी की वृद्धि प्रस्तावित की है, वर्तमान में मासीक वॉटर टैक्स 210 रुपए की दर से चुका रहे है। यानी अब वॉटर टैक्स में 31 रुपए 50 पैसे का इजाफा किया गया है। इस लिहाज से अब 1 अप्रैल से जनता को 241 रुपए 50 पैसे मासीक चुकाना होंगे। इसका सालाना वर्तमान में 2520 रुपए चुका रहे हैं, जो अब बढ़कर सालाना 2898 रुपए हो जाएगा।

वॉटर टैक्स तीन साल पहले भी बढ़ाया था - वॉटर टैक्स में आखिरी बार मार्च 2022 में बढ़ोतरी की गई थी। तीन साल पहले वॉटर टैक्स में 15 फीसदी यानी करीब 30 रुपए की वृद्धि की गई थी। यानी 180 रुपए वॉटर टैक्स था, जो बढ़कर 210 रुपए प्रति माह कर किया गया था।

प्रॉपर्टी पर 263 रुपए 50 पैसे का इजाफा- प्रॉपर्टी टैक्स में 10त्न की वृद्धि की गई है। यानी 263 रुपए 50 पैसे का इजाफा किया है। इस तरह समझ सकते है कि यदि आपका 1 हजार वर्गफीट का मकान है, तो अब आपको 2635 रुपए की जगह 2898 रुपए प्रॉपर्टी टैक्स जमा करना होगा।

सॉलिड वेस्ट पर सीधे 108 रुपए बढ़ाए- भोपालवासी वर्तमान में सॉलिड वेस्ट पर सालाना 720 रुपए टैक्स चुका रहे हैं। जिसपर 15त्न इजाफा करने के बाद सॉलिड वेस्ट पर 108 रुपए का भार बढ़ जाएगा, यानी अब उपभोक्ता को सॉलिड वेस्ट पर 828 सालाना चुकाना होगा।

वक्फ बिल पास होते ही योगी सरकार सख्त, इन संपत्तियों पर होगी जब्ती की कार्रवाई

लखनऊ। संसद के दोनों सदनों से वक्फ संशोधन बिल के पारित होने के बाद उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों (ष्ठरू) को निर्देश जारी किए हैं कि वे उन वक्फ संपत्तियों की जांच करें, जो राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हैं और नियमों को ताक पर रखकर वक्फ घोषित की गई हैं। ऐसी संपत्तियों को चिह्नित कर जब्त करने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूपी में वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई अधिकांश संपत्तियों का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है। राजस्व रिकॉर्ड में सुन्नी वक्फ बोर्ड की सिर्फ 2,500 से अधिक और शिया वक्फ बोर्ड की 430 संपत्तियां ही दर्ज हैं। हालांकि, वक्फ बोर्ड के दावे इससे कहीं बड़े हैं। सुन्नी वक्फ बोर्ड के मुताबिक उनकी 1,24,355 और शिया वक्फ बोर्ड की 7,785 संपत्तियां हैं।

कानूनी दायरे में होगी सख्ती

रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया है कि तालाब, खलिहान और ग्राम समाज की जमीनों को भी बड़े पैमाने पर वक्फ घोषित किया गया है, जिसे सरकार ने पूरी तरह अवैध करार दिया है। अधिकारियों का कहना है कि केवल वही संपत्तियां वक्फ मानी जाएंगी, जो स्पष्ट रूप से दान में दी गई हों। योगी सरकार ने साफ कर दिया है कि नियमों को दरकिनार कर घोषित की गई हर संपत्ति पर कानूनी कार्रवाई होगी और दोषियों पर भी जवाबदेही तय की जाएगी।

अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर देवड़ा ने किया शोक व्यक्त

भोपाल । प्रसिद्ध अभिनेता, निर्माता और निर्देशक श्री मनोज कुमार के निधन पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि श्री मनोज कुमार का भारतीय सिनेमा में योगदान अविस्मरणीय है। उनकी फिल्मों ने देशवासियों में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक चेतना की अलख जगाई। उन्होंने भारतीय मूल्यों, संस्कृति और देशभक्ति को अभिव्यक्त किया, जिसके लिए उनका सदैव स्मरण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि स्व. मनोज कुमार केवल एक अभिनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय सिनेमा में राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक थे। उनकी फिल्मों ने देश की भावनाओं को सशक्त अभिव्यक्ति दी और समाज को प्रेरित किया।

धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही मोहन सरकार, प्रदेश में बौद्ध सर्किट विकसित करने के दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य सरकार की प्राथमिकता के रूप में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के विकास पर जोर दिया, जिसमें बौद्ध सर्किट के तहत महत्वपूर्ण स्थलों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने नई शिक्षा नीति-2020 को विश्वविद्यालयों में लागू करने के महत्व को रेखांकित किया और महाकात्यायन पर शोध की आवश्यकता पर बल दिया। इसके साथ ही, आगामी नवम्बर में बौद्ध समाज का रजत जयंती सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के क्षेत्र में विकास को अपनी प्रमुख प्राथमिकता बना रही है। इस संदर्भ में, उन्होंने भगवान बुद्ध से प्रभावित प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थलों को एक बौद्ध सर्किट के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इसमें सतधारा, सोनारी, सांची और उज्जैन जैसे प्रमुख स्थल शामिल होंगे। यह प्रयास प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने और धार्मिक स्थलां को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए किया जा रहा है।

नई शिक्षा नीति-2020 को विश्वविद्यालयों में प्राथमिकता से लागू करने का निर्देश

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति-2020 को प्राथमिकता के रूप में लागू करने के महत्व को रेखांकित किया। इससे प्रदेश में शिक्षा का स्तर सुधारने और छात्रों को बेहतर अवसर प्रदान करने में मदद मिलेगी। यह कदम राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक

गुरुवार को सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की छठवीं कार्यपरिषद की बैठक समता भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। इस बैठक में संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस. शास्त्री वर्चुअली शामिल हुए। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. वैद्यनाथ लाभ, महापरिषद के सदस्य प्रो. सत्य प्रकाश शर्मा, पद्मश्री कपिल तिवारी, अभय कात्यायन और प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा भी मौजूद थे।

महाकात्यायन पर शोध की आवश्यकता पर दिया बल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्यों में से एक महाकात्यायन पर शोध शुरू करने के महत्व पर बल दिया। महाकात्यायन का विश्वास था कि उन्होंने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं को उज्जैन से मथुरा तक फैलाया। उनकी तार्किक तर्क और वाद-विवाद कौशल की कहानियां आज भी प्रेरणा देने वाली हैं। उनकी यात्रा बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति की प्रेरक कथा के रूप में प्रस्तुत की जाती है, जो धैर्य, ज्ञान और आत्म-अनुशासन के महत्व को दर्शाती है।

बौद्ध समाज का रजत जयंती सम्मेलन

बैठक में यह भी बताया गया कि आगामी नवम्बर माह में भोपाल में भारतीय बौद्ध अध्ययन सोसायटी का रजत जयंती सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को इस आयोजन की तैयारियों को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। यह सम्मेलन बौद्ध समाज के लिए एक ऐतिहासिक अवसर होगा, जो प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को और भी समृद्ध करेगा।

विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों की प्रगति

विश्वविद्यालय के कुलपति ने बैठक में चल रही शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बालक एवं बालिका छात्रावासों का निर्माण पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। इसके अलावा, शैक्षणिक भवन, प्रशासनिक भवन और पुस्तकालय के निर्माण का कार्य भी लगभग पूरा हो चुका है। ये विकास कार्य विश्वविद्यालय को और भी सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे हैं।

आज जहांगीराबाद स्थित शा. कन्या उ. मा. विद्यालय में स्कूल चले हम अभियान (प्रवेशोत्सव) कार्यक्रम में सम्मिलित होकर संबोधित किया इस अवसर कर पर पार्षद पप्पू विलास, भाजपा नेता नवल प्रजापति, जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र अहिरवार, प्राचार्य शिक्षक एवं विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश को मिलेंगे 16 आईएएस अफसर, आईएएस अवॉर्ड की प्रक्रिया शुरू

भोपाल। मध्यप्रदेश को अगले दो महीनों में 16 नए ढ्ढस् अफसर मिलने की उम्मीद है। ये अफसर राज्य प्रशासनिक सेवा से होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने इन अफसरों को ढ्ढस् अवॉर्ड देने की प्रक्रिया को फिर से शुरू कर दिया है। बता दें यह प्रोसेस विवादों के कारण काफी समय से अटकी हुई है। 15 दिनों के भीतर दिल्ली में प्रस्ताव भेजा जाएगा, जहां एक बैठक में इन अफसरों को ढ्ढस् अवॉर्ड दिया जाएगा।

इन अफसरों को मिल सकता है अवार्ड

सामान्य प्रशासन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, राज्य प्रशासनिक सेवा के ये अफसर आईएएस अवॉर्ड प्राप्त करेंगे। एनपी नामदेव , डॉ. कैलाश बुंदेला , कमलचंद नागर , मनोज मालवीय , जयंत कुमार विजयवत, नंदा भलावे कुशरे , अनिल डामोर, सविता झारिया, सारिका भूरिया , कमल सोलंकी , जितेंद्र सिंह चौहान , संतोष कुमार टैगोर, निशा डामर , राकेश कुशरे , सैली कनास, रोहन सक्सेना , कविता बाटला , सपना अनुराग जैन , आशीष कुमार पाठक , मिनिषा पांडे , ईला तिवारी , सपना लोवंशी , निता राठौर , शैलेंद्र सिंह सोलंकी , रानी बासी , रंजना देवड़ा, माधवी नागेंद्र , वर्षा सोलंकी , प्रियंका गोयल , अभिषेक दुबे

कुछ अफसरों के खिलाफ 2023 में जांच चल रही थी, जैसे एनपी नामदेव, डॉ. कैलाश बुंदेला, जयंत कुमार विजयवत और कमलचंद नागर। यदि दो महीने बाद अवॉर्ड दिए गए, तो ये अफसर 1 जनवरी 2025 से ढ्ढस्के रूप में मान्यता प्राप्त करेंगे।

एक साथ जलीं 8 चिताएं, बेटी ने दी मुखाग्नि

खंडवा में कुएं में जहरीली गैस से हुई थी मौत, एक को बचाने में गई 7 की जान

खंडवा। खंडवा के कोंडावत गांव में शुक्रवार सुबह एक साथ 8 चिताएं जलीं तो मुक्तिधाम में मौजूद लोग अपने आंसू नहीं रोक सके। पिता को मुखाग्नि देने वाली बेटी का चेहरा देखकर सभी गमगीन हो गए। कोंडावत गांव के एक कुएं में जहरीली से दम घुटने के कारण गुरुवार को 8 लोगों की मौत हो गई थी। करीब 3 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शव कुएं से बाहर निकाले जा सके। सभी 8 शवों को जिला अस्पताल ले जाया गया। रात 12 बजे तक डॉक्टरों की टीम ने पोस्टमॉर्टम किया। शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे सभी शवों को अलग-अलग वाहनों से गांव लाया गया। यहां अंतिम श्रद्धांजलि के बाद मुक्तिधाम ले जाया गया। अंतिम संस्कार में आसपास के गांवों के लोग भी शामिल हुए। प्रशासन ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है। एसडीएम बजरंग बहादुर ने कहा कि कुएं को तोड़कर मुरुम से भरा जाएगा।

कुएं में सफाई करने उतरा था अर्जुन

गुरुवार शाम छैगांवमाखन ग्राम पंचायत के कोंडावत गांव में गणगौर विसर्जन के लिए अर्जुन पटेल सफाई करने कुएं में उतरा था। वह जहरीली गैस के कारण बेसुध होकर कुएं में जमा दलदल में डूबने लगा। उसे बचाने के चक्कर में एक के बाद एक 7 और लोग कुएं में उतरे। ये सब भी जहरीली गैस के कारण दम घुटने से डूब गए और इनकी जान चली गई।

एमपी में 8 अप्रैल से नया सिस्टम, 5 दिन रहेगी गर्मी, 2 से 5 डिग्री तक बढ़ेगा पारा

भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर सबसे ज्यादा तपेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में अगले 5 दिन तक तेज गर्मी पड़ेगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में पारा 2 से 5 डिग्री तक बढ़ेगा, जबकि जबलपुर, चंबल, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल, सागर संभाग में भी गर्मी बढ़ेगी। इससे पहले गुरुवार को भोपाल समेत प्रदेश के कई जिलों में ओले, बारिश और तेज हवा का असर रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से प्रदेश में पिछले चार दिन से मौसम बदला रहा। कई जिलों में ओले गिरे। आकाशीय बिजली भी गिरी, जबकि बारिश और तेज आंधी चली। यह सिस्टम अब कमजोर पड़ जाएगा। जिससे शुक्रवार को बारिश का अलर्ट नहीं है। कुछ जिलों में बादल जरूर छा सकते हैं।

दूसरी ओर, भोपाल समेत कई शहरों में दिन के पारे में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 8 अप्रैल से एक पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो रहा है, जिसका असर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। यानी, एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो जाएगा।

कई जिलों में बारिश का दौर, पारा लुढ़का

इससे पहले गुरुवार को भी मौसम का मिजाज बदला रहा। भोपाल, सीहोर, रायसेन, ग्वालियर, सागर, बालाघाट और गुना में बारिश हुई। बालाघाट में सुबह बूंदाबांदी के बाद दोपहर में तेज बारिश हुई। वहीं सीहोर में शाम को रिमझिम हुई। भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। भोपाल में तो कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हुई।

दूसरी ओर, कुछ शहरों में दिन के तापमान में गिरावट हुई। मलाजखंड में पारा 28.8 डिग्री, मंडला में 30.2 डिग्री, उमरिया में 30.7 डिग्री और सिवनी में 30.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 36.4 डिग्री, इंदौर में 37.2 डिग्री, ग्वालियर में 37.6 डिग्री, उज्जैन में 38 डिग्री और जबलपुर में 32.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भोपाल में युवक से मोबाइल लूटा

मेट्रो प्लाजा हबीबगंज इलाके की घटना, सड़क पर खड़े होकर रैपिडो बुक कर रहा था

भोपाल। शहर के हबीबगंज इलाके में एक युवक से मोबाइल लूट की वारदात हो गई। लुटेरे युवक का महंगा स्मार्टफोन छीन कर मौके से फरार हो गया। घटना की शिकायत पीड़ित युवक आकाश मिश्रा ने थाने में दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, घटना बुधवार रात करीब 11 बजे की है। पीड़ित युवक सड़क किनारे रैपिडो बुक करने के लिए फोन का इस्तेमाल कर रहा था, तभी दो अज्ञात व्यक्ति अचानक आए और धक्का देकर उसका फोन छीनकर भाग गए। युवक के विरोध करने से पहले ही लुटेरे फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि लूटा गया मोबाइल फोन स्ब्लह्लश्व श्वस्नद्दद्ग 40 ह्द्गश्व मॉडल का था। जिसकी कीमत लगभग 30 हजार रुपए है। वारदात के बाद मोबाइल कुछ देर तक ऑन था। इसके बाद फोन का नेटवर्क बंद हो गया। जिससे संदेह है कि लुटेरे ने फोन बंद कर दिया या सिम कार्ड निकाल दिया। पीड़ित ने पुलिस से जल्द से जल्द लुटेरे को पकड़ने और फोन को ट्रेस करने की मांग की है। भोपाल पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई संतोष मार्कम ने कहा कि घटना स्थल के आसपास लगे ष्टष्टञ्जङ्क के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, जिससे लुटेरे की पहचान की जा सके।

भले ही सरकार सरल नामांतरण सुविधा की ढींगे हांकती हो, लेकिन नामांतरण कराने बार-बार काटने पड़ते हैं तहसील दफ्तर के चक्कर: अवनीश बुंदेला

भोपाल। इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि जो व्यक्ति अपनी मेहनत-खून पसीने की कमाई से अपने जीवन काल में अपने और अपने परिवार के लिए आसियाना बनाता है, इसको खरीदने में अपना पेट काटकर अपने जीवन की एक आमदनी का बड़ा हिस्सा उसमें खर्च करता है। उसकी वह अचल संपत्ति में भूमि एक ऐसी वस्तु है की जो भी व्यक्ति इसको खरीदता है उसे भूमि को सहेज के रखता है। लेकिन वर्तमान में मध्य प्रदेश में परिस्थितियां कुछ ऐसी बनी हुई हैं कि संपत्ति ख़रीदने पर लगभग 10.50 प्रतिशत पंजीयन शुल्क सरकार को देने के बावजूद भी उस व्यक्ति को नगर निगम विभाग के द्वारा जिसमें नाली, सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सरकारी सुविधाओं को लाभ उसे आसानी से नहीं मिल पाता, उस सुविधा से उसे वंचित रहना पड़ता है। जिसका एक सबसे बड़ा कारण है मध्य प्रदेश में 2022 के बाद संपत्तियों की नामांतरण उचित ढंग से नहीं हो पा रहे है।

मध्य प्रदेश में संपत्तियां चाहे वह खेती की जमीन हो, रहवासी जमीन हो, मकान हो या प्लाट हो, आज की तारीख में नामांतरण प्रक्रिया एक बहुत जटिल समस्या बन गई है। आम आदमी, किसानों, मध्यमवर्गीय लोगों के लिए अपनी संपत्ति का कराना शिखर पर चढने के समान हो गया है। नामांतरण यदि अपनी पहुंच रखने वाला व्यक्ति संबंधित राजस्व निरीक्षक, पटवारी, तहसीलदार से मेल मुलाकात कर सेवा शुल्क दे देता है तो भी लगभग 2 महीने चक्कर काटने के बाद संभवतः नामांतरण हो जाता है। लेकिन आम और गरीब आदमी के लिए नामांतरण कराना इतना आसान नहीं होता है।

यह संज्ञान में लाना बहुत आवश्यक है कि जब एक गरीब व्यक्ति नियम अनुसार नामांतरण करवाने के लिए तहसील और नजूल विभाग जाता है जबकि उसके पास उसकी संपत्ति के समस्त दस्तावेज होते हैं और वह सारे दस्तावेज पहले से ही रिकार्ड में दर्ज भी होते हैं तब भी उससे पहले तो कागज़ जमा करवाए जाते हैं। तहसीलदार, पटवारी के चक्कर काटने के बाद पुराने रिकार्ड में भी कमी बताकर नामांतरण आवेदन को नियमों के हिसाब से निरस्त कर दिया जाता है। जबकि रिश्वत देने पर यह सारे नियम ताक पर रखकर तत्काल प्रभाव से नामांतरण कर दिया जाता है।